Finish 196.5 x 260 mm

स्थापित 1935

समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• मई २०१९ • वर्ष ७० • अंक ०५

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

इस अंक में:

★ अध्यक्षीय: समाज की संस्थाएँ एकजुट हों
★ सम्पादकीय: मोदी सरकार का स्वागत
★ आलेख: लोकसभा चुनाव: परिणामों का विश्लेषण
★ रपट: राजनैतिक चेतना कार्यक्रम
★ रपट: राजस्थानी भाषा पाठशाला की स्थापना
★ त्रैमासिक रपट: पूर्वोत्तर सम्मेलन
★ प्रांतीय समाचार
★ अतीत के पन्नों से

LINC
Think it. Linc it.
pentonic
born
of
black
pentonic™
Write the future
Begin a statement that moves the nation.
Gift tomorrow's generation a new set
of words to remember.
Start an idea that inspires and
challenges the future.
Emerge with the boldness of black.
₹10 per U

RUPA®

FRONTLINE

Yeh aaram ka mamla hai!

APNA FRONTLINE
DIKHNE DO

www.rupa.co.in | Toll-Free No.: 1800 1235 001 | www.rupaonlinestore.com

With Best Compliments From:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head Office : 3, Gibson Lane, 2nd Floor
Suite-211, Kolkata-700 069

Phone : 2210-3480, 2210-3485

Fax : 2231-9221

E-mail: roadcargo@vsnl.net

Branches & Associates:

GUWAHATI, SILIGURI, DURGAPUR, HALDIA, KHARAGPUR,

BALASORE, BHUBNESWAR, CUTTUCK, ICCAPURAM, VISHAKAPATNAM,

VIJAYWADA, HYDERABAD, CHENNAI, BANGALORE, COCHIN, GAZIABAD (U.P. BORDER), INDORE

समाज विकास

◆मई २०१९ ◆वर्ष ७० ◆अंक ०५
◆एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** मोदी सरकार का स्वागत	७
● **अध्यक्षीय : सन्तोष सराफ** समाज की संस्थाएँ एकजुट हों	९
● **आलेख : सीताराम शर्मा** लोकसभा चुनाव : परिणामों का विश्लेषण	१२-१३
● **रपट :** राजनैतिक चेतना कार्यक्रम	१७-२१
● **रपट :** राजस्थानी भाषा पाठशाला की स्थापना	२२
● **त्रैमासिक रपट :** पूर्वोत्तर सम्मेलन	२३
● प्रांतीय समाचार	२४-२७
● समाज विकास : अतीत के पन्नों से	३१-३२
● विविध	३२-३४
● सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत	३५-३६

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **सम्पादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

खाली धड़ री कद हुवै, चैरै बिना पिछाण।
मायड़ भासा रै बिना, क्यां रो राजस्थान।।
– पद्मश्री कन्हैयालाल सेठिया

मरु भासा आगै बधै, औड़ा करो उपाय।
साहित-मंडळ मांडकर, भासा-पुष्प खिलाय।।
– ठा. रामसिंह

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

IISD Edu World
Be a Leader...

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically" — Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100% Quality Education at most affordable fees

Hospitality

Hospitality Management & Culinary Arts

Newly Introduced

BTED – HND in Hospitality Management

awarded by EDEXCEL, UK (A Pearson Global Education Undertaking)

Language School

- Functional English
- Spanish
- Russian
- Chinese
- French
- Hindi
- SANSKRIT
- Spoken English
- Italian
- German
- Persian
- Bahasa (Indonesia)
- Bengali

Assistance for placement

- Complementary Spoken English
- Online Application Facility
- Regular / Weekend Classes
- AC Classrooms
- P G Accommodation

Centre for Administrative Services / WBCS

Course Director: Dr.Bikram Sarkar (IAS retd.)

- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)

Health Care

Preparatory course for Joint Entrance of MD/MS, DNB and MRCP (Part-I) Medicine

"Family Medicine Certificate Course (First Aid)

Business School

- AIMA recognized PGDM (2Yrs.)
- Tally ERP 9+GST
- Company Secretaryship
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance

Skills

- Web Technology
- Certificate course on Theology
- Soft Skills
- Vocational & Technical Training
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Certificate Course on Computer Applications
- School Guide
- Bachelor Guide

IISD EDU World

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in • Website : www.iisdedu.in

18, Ballygunge Circular Road, Kolkata-700019
Website : www.iisdeduworld.com
Email : iisdedu@gmail.com
Ph : 46001626 / 27

मोदी सरकार का स्वागत!

२०१९ का लोकसभा का चुनाव अत्यंत कड़ी प्रतिद्वंदिता का चुनाव रहा। पूरे देश में मतदान प्रक्रिया को सप्त भागों में विभक्त किया गया। ११ अप्रैल को प्रथम मतदान से प्रारम्भ होकर अंतिम मतदान १९ मई को सम्पन्न हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने ८ मार्च को मेरठ से अपना चुनाव प्रचार प्रारम्भ किया। १७ मई को मध्य प्रदेश के खरगोने में उनकी अंतिम सभा आयोजित की गई। इस दौरान उन्होंने १४२ जनसभाओं, चार रोड शो के लिए लगभग १.५ लाख किलोमीटर का सफर तय किया एवं कुल मिलाकर १.५ करोड़ लोगो को सीधे-सीधे संबोधित किया। श्री अमित शाह ने भी १६१ जनसभाओं, १८ रोड शो में भाग लेने के लिए १.५८ लाख किलोमीटर का सफर तय किया। उधर कांग्रेस अध्यक्ष श्री राहुल गांधी ने २ फरवरी को पटना जनसभा से अपना चुनाव-प्रचार प्रारम्भ किया। उन्होंने अपनी अंतिम जनसभा हिमाचल में सोलन में की। जानकारों का यह मानना है कि इस चुनाव में धनबल का प्रयोग अपने चरम पर था। भारतीय जनता पार्टी की चुनावी रणनीति को सुनियोजित एवं चुस्त-दुरुस्त करने के लिये पार्टी अध्यक्ष श्री अमित शाह पूरे श्रेय के अधिकारी हैं।

इस चुनाव में प्रधानमंत्री श्री मोदी की लोकप्रियता एवं साधारण लोगों की उन पर आस्था स्पष्ट रूप से देखने को मिली। आर्थिक स्थिति संतोषजनक न होते हुए भी, मोदी के आधे-अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए उन्हें जनता ने एक बार फिर अवसर प्रदान किया है। विपक्षी दल जनता तक अपना संदेश पहुचाने में विफल रहे। जनता ने मोदी जी को ही दोबारा अवसर देना श्रेयस्कर समझा। पिछले सरकार की ओर से उज्ज्वला योजना के तहत एल.पी.जी. चूल्हा, सिलेंडर, स्वच्छता अभियान के तहत शौचालय, प्रधान मंत्री आवास योजना के तहत घर-निर्माण, जन-धन योजना के अंतर्गत बैंक खाता खोलना, जैसे कार्यक्रमों से भी जनता को सीधे-सीधे लाभ पहुँचा। उसका प्रभाव चुनाव पर पड़ा। प्रधानमंत्री की लोकप्रियता से जातीय समीकरण के गणित भी गलत सिद्ध हो गये। जानकार सूत्रों का कहना है कि विरोधियों के पास मोदी-निंदा ही मुख्य मुद्दा था जिससे जनता प्रभावित नहीं हुई। २०१४ के मुकाबले भाजपा को ३१.३ प्रतिशत वोट से बढकर ३७.५ प्रतिशत वोट मिले। गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली, अरुणाचल, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, झारखंड, बिहार में ४९ से ५९ प्रतिशत मिले। जिन सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार थे, उनमे कुल मिलाकर भाजपा को ४६% वोट मिले, जबकि कांग्रेस को मात्र २३%। सबसे चौंकानेवाले परिणाम पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तेलंगाना, त्रिपुरा जैसे राज्यों से आए। उदाहरणस्वरूप पश्चिम बंगाल में १७ से वोट प्रतिशत ४० एवं २ सीटों से बढ़कर १८ सीटों पर विजय।

सर्वप्रथम गणतंत्र प्रणाली लागू होने पर कुछ पंडितों ने यह शंका जाहिर की थी कि जिस देश में भूखमरी एवं अशिक्षा इतनी व्यापक है, गणतंत्र वहाँ सफल नहीं होगा। देश की जनता ने इस अवधारणा को पूरी तरह गलत साबित कर दिया है। पाँच महीने पहले छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने अपनी सरकारें बनाई थी। लोकसभा चुनाव में किन्तु कांग्रेस को इन प्रदेशों में कोई सफलता नहीं मिली। दूसरी तरफ ओडिशा विधानसभा के चुनाव में बीजू जनता दल को दो-तिहाई बहुमत मिला पर लोकसभा के चुनाव में भाजपा ने ८ सीटें प्राप्त कर ली। इस प्रकार हम देख सकते हैं कि देश की जनता लोकसभा एवं विधानसभाओं में अलग निर्णय देती है, जो कि भारतीय गणतंत्र के परिपक्वता की निशानी है।

चुनाव के नतीजों का पूरा विश्लेषण होता रहेगा। फिर भी इसमें कोई शक नहीं कि विपक्षी दल जनता तक अपनी बात पहुँचाने में नाकाम रहे हैं। साथ ही साथ, प्रधानमंत्री मोदी की व्यापक लोकप्रियता ने अनेक समीकरणों को ध्वस्त करने में सफलता प्राप्त की है। इन चुनावों के नतीजों से कुछ विपक्षी दल एवं उनके नेताओं के भविष्य पर प्रश्न-चिह्न लगने प्रारम्भ हो गए हैं। मजबूत गणतंत्र के लिए मजबूत सत्तापक्ष के साथ-साथ मजबूत विपक्ष होना आवश्यक है। विपक्षी दलों को बदलते परिप्रेक्ष्य एवं नये-नये चुनौतियों से मुकाबला करने के लिए अपने नजरिये एवं कार्य-प्रणाली में बदलाव लाने होंगे। अमेठी से राहुल गांधी की पराजय कहीं न कहीं इस बात का संकेत देती है कि देश की जनता का समर्थन प्राप्त करने के लिये उसके साथ खड़ा दिखना आवश्यक है। देश का विपक्ष अभी कमजोर है। प्रधानमंत्री मोदी के प्रतियोगी स्वयं मोदी ही हैं। देश को उनसे बहुत आशायें हैं एवं उन आशाओं को साकार देखने के लिए उन्हें स्पष्ट आवश्यक जनादेश भी मिला है। निश्चय ही प्रधानमंत्री इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकते।

शिव कुमार लोहिया

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

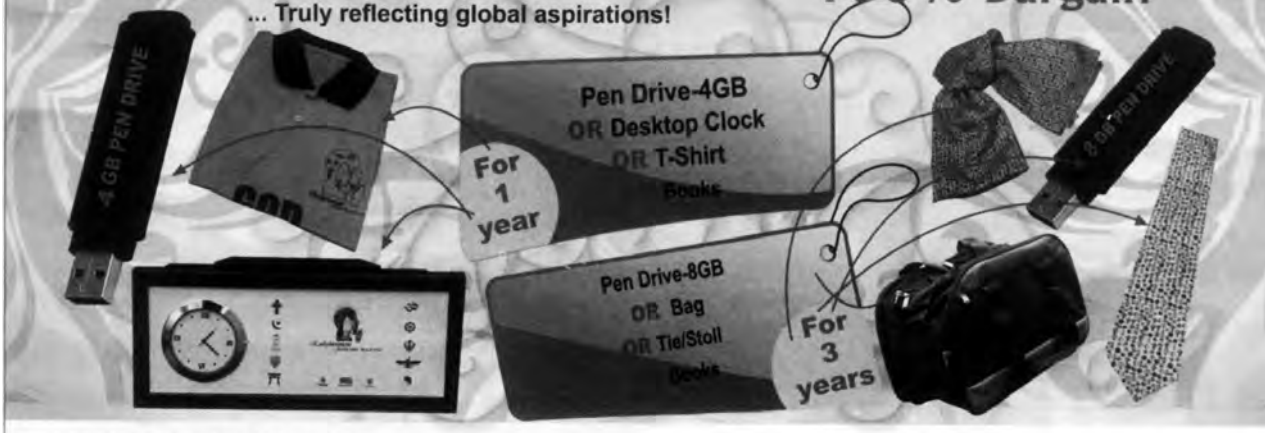

Subscribe Business Economics :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐ 8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

Business Economics

Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District: _____

State: _____ Country: _____ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

अध्यक्षीय

समाज की संस्थाएँ एकजुट हों!

– सन्तोष सराफ

लोकसभा चुनाव हाल ही में सम्पन्न हुए हैं। २०१४ के मुकाबले अधिक लोकप्रियता के साथ श्री नरेन्द्र मोदी दोबारा अगले पाँच वर्षों तक देश को नेतृत्व प्रदान करने के लिये निर्वाचित हुए हैं। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं सभी समाजबंधुओं की ओर से मैं उनकी शानदार विजय पर हार्दिक बधाइयाँ निवेदित करता हूँ। मुझे आशा ही नही बल्कि पूर्ण विश्वास है कि उनके नेतृत्व में सभी क्षेत्रों में देश का विकास होगा। हमारा देश विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र हैं एवं पूरी दुनिया की नजरें हमारे चुनाव पर टिकी हुई थीं। भारतीय जनता ने सुरक्षा एवं स्थिरता का संदेश दिया है। श्री नरेन्द्र मोदी से देश को वहुत आशाएँ हैं। उनको अंजाम देने के लिए उन्हें आवश्यक समर्थन भी देश की जनता ने उन्हें दिया है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का सदैव ही यह प्रयास रहा है कि समाज में राजनैतिक चेतना का विस्तार हो। साधारणतया यह देखा गया है कि समाजबंधुओं की मतदान के प्रति रुचि अपेक्षाकृत कम रहती है। हिन्दीभाषी क्षेत्रों में १५ से २० प्रतिशत मतदान कम होता है। इसके मद्दे-नजर सम्मेलन राजनैतिक चेतना के लिये विभिन्न प्रयास करता है। इस बार लोकसभा चुनाव में 'वोट करे, देश गढ़े' कार्यक्रम हिन्दी दैनिक प्रभात खबर के साथ किया गया। पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने राजस्थान पत्रिका के साथ इस दिशा में पहल की। लोकसभा के विभिन्न केन्द्रों के प्रत्याशी सर्वश्री सुदीप बन्दोपाध्याय, राहुल सिन्हा, चन्द्र कुमार बोस के साथ 'सीधी बात' कार्यक्रम आयोजित किया गया। पूर्वोत्तर, बिहार, झारखंड, उत्कल प्रांतो से भी इस प्रकार के सक्रिय पहल के समाचार मिले हैं। इस प्रकार के कार्यक्रमों से समाज की सक्रियता एवं जागरूकता का संदेश जाता है।

हमारा देश परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में समाज को संगठित करने की आवश्यकता आज से अधिक कभी नहीं थी। हम सभी जानते हैं कि देश को जाति, धर्म, पिछड़े वर्ग के नाम पर विभाजित करने का प्रयास चलता रहता है। हमारे समाज में भी इसी प्रकार के प्रयास चलते रहते हैं। सम्मेलन इन प्रयासो को विफल करने के लिये सदा से ही प्रयासरत है। पिछले वर्षों में समाज के संस्थाओं को सम्मेलन के साथ जोड़ने का प्रयास किया गया। इस दिशा में सफलता भी मिली। कुल मिलाकर ३२ संस्थाएँ सम्मेलन के साथ संम्बद्ध हैं। एक-दूसरे से हम जुड़कर रहेंगे तब ही हमारी आवाज की सुनवाई होगी।

हमें इस बात का ध्यान रखना होगा कि समाज के अंदर हम विभिन्न कारणों से अपना अलग अस्तित्व बनाये रखना चाहते हैं। लेकिन समाज के बाहर के लोगो के लिए हमारा एक ही परिचय है, वह परिचय है – हम मारवाड़ी हैं। साथ ही अगर समाज के द्वारा की जाने वाली समाज सेवा को एक साथ मिलाकर देखा जाय तो उसका विशाल पैमाना होगा। देश के प्रायः सभी क्षेत्रों में समाज के विभिन्न संस्थाएँ अलग-अलग समाजसेवा के कार्य में संलग्न है। सम्मेलन उन्हें अवसर प्रदान करता है कि वे संस्थाएँ विना अपनी स्वतंत्र पहचान खोये सम्मेलन के साथ जुड़ें। इस प्रकार हम एक सूत्र में बँध जायेंगे। ऐसा होने से सम्मेलन के 'संगठित समाज सशक्त आवाज' के उद्देश्य को बल मिलेगा। साथ ही संगठित प्रयास से समाज की छवि और निखरेगी। मैं सभी प्रांतीय अध्यक्षों एवं अधिकारियों से अनुरोध करूंगा कि अपने अपने क्षेत्रों में समाज की संस्थाओं को सम्मेलन के साथ सम्बद्ध करने की दिशा में कारगर प्रयास करें। इस विषय में आवश्यक जानकारी केन्द्रीय कार्यालय से प्राप्त कीये जा सकती है।

जय समाज, जय राष्ट्र!

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION

(A Trust of All India Marwari Federation)

उच्च शिक्षा कोष

समाज के बच्चों को शिक्षित कर परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल

विगत ८ वर्षों में देश के विभिन्न भागों के सैंकड़ों छात्र-छात्राओं को करीब दो करोड़ रुपयों का दिया जा चुका है अनुदान

वित्तीय वर्ष (२०१८-१९) में ५२ लाख रुपयों से अधिक का आवंटन

"Education is a fundamental human right and essential for excercise of all other human rights."

उदारहृदय समाजबंधुओं का मिल रहा है तहेदिल से साथ

आप भी बढ़ाएँ सहयोग का हाथ समाज के सर्वांगीण विकास में बनें भागीदार !

छात्र/छात्राएँ नि:शुल्क छात्रवृत्ति के लिये सम्पर्क करें

इंजीनियरिंग, टेक्निकल, चिकित्सा, मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में स्नातकोत्तर/उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति हेतु समाज के मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित हैं।

पात्रता : (क) १७ और २५ वर्षों के बीच के उम्र के मेधावी छात्र-छात्राएँ जिनका शैक्षिक परीक्षाओं में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा हो और जिन्हें केवल अपनी योग्यता के बल पर किसी मान्यताप्राप्त शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल रहा हो।

(ख) जिन आवेदकों के माता-पिता की वार्षिक आय तीन लाख रुपयों से कम होगी, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रक्रिया : (क) पूर्व शैक्षिक प्रमाणपत्रों, प्रवेश के प्रमाण, माता-पिता के आय प्रमाणपत्र एवं पासपोर्ट साइज चित्रों के साथ, मारवाड़ी सम्मेलन की किसी शाखा/सम्बद्ध संस्था से अनुमोदित आवेदन प्रस्तुत करने हैं।

(ख) एक छात्र-छात्रा को वर्ष में अधिकतम दो लाख रुपयों की राशि अनुदानस्वरूप दी जा सकती है।

(ग) प्रतिवर्ष कुछ छात्रवृत्तियाँ छात्राओं के लिए सुरक्षित हैं।

आवेदन करें : *चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन*

४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपियर सरणी, कोलकाता-१७, फोन : (०३३) ४००४४०८९, ईमेल : aimf1935@gmail.com

Diva®
from LA OPALA®

CLASSIQUE COLLECTION | IVORY collection | QUADRA COLLECTION | SOVRANA COLLECTION | COSMO collection

Registered Office
Chitrakoot, 10th Floor, 230 A, A J C Bose Road, Kolkata-700020
Ph: 76040 88814/15/16/17 | Email: info@laopala.in | www.laopala.in

आमंत्रित आलेख

मोदी सरकार २.०

ऐतिहासिक जीत, बड़ी अपेक्षाएँ, भारी चुनौतियाँ

● बंगाल में उथल-पुथल का दौर

-- सीताराम शर्मा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, अ.भा.मा.स.,
राजनैतिक पर्यवेक्षक एवं विश्लेषक

भारत में ऐसा पहली बार हुआ है जब एक पार्टी के पूर्ण बहुमत वाली कोई गैर-कांग्रेसी सरकार लगातार दूसरी बार सत्ता में आई है। यह चुनावी जीत एक ऐतिहासिक जीत है लेकिन चुनौतियों से भरी है। इस तथ्य से इन्कार नहीं किया जा सकता कि पुलवामा के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा मोर्चे पर जगे स्वाभिमान ने भाजपा को यह अभूतपूर्व जीत दिलाने में केन्द्रीय भूमिका निभाई है और जिसकी वजह से बेरोजगारी, जी.एस.टी., नोटबन्दी, आर्थिक नीतियों के मोर्चे पर पिछले पाँच साल के दौरान उत्पन्न चुनौतियाँ नेपथ्य मे चली गईं परन्तु अब इन चुनौतियों का सामना नई सरकार को करना होगा क्योंकि इनका सीधा सम्बंध आम आदमी की रोजी-रोटी और व्यक्तिगत विकास से है।

विशाल बहुमत की नौका पर बैठकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भारत की उन समस्याओं का ठोस समाधान ढूँढ़ना होगा जो युवा पीढ़ी के सामने मुँह बाये खड़ी हैं। इनमें सबसे ज्यादा भयावह स्थिति बेरोजगारी की है जो पिछले पाँच दशकों की चरम सीमा पर है। हमारी राजनीति की यही विडम्बना रही है कि उसमें सत्य को ढका जाता रहा है या नंगा किया जाता है पर स्वीकारा नहीं गया है। प्रश्न यह है कि मोदी सरकार द्वितीय की दिशा क्या होगी। यह महत्वपूर्ण है कि पुराने नारे "सबका साथ सबका विकास" में एक नया नारा 'सबका विश्वास' जोड़ा गया है। किसी भी सरकार के लिए जनता का एवं सम्पूर्ण जनता का विश्वास सबसे बड़ी ताकत है।

सबसे ज्यादा भयावह स्थिति बेरोजगारी की है जो पिछले पाँच दशकों में चरम सीमा पर है। हमारी राजनीति की यही विडम्बना रही है कि उसमें सत्य को ढका जाता रहा है या नंगा किया जाता है पर स्वीकारा नहीं गया है। प्रश्न यह है कि मोदी सरकार द्वितीय की दिशा क्या होगी।... मोदी ने कहा कि अल्पसंख्यकों को भ्रमित एवं भयभीत रखा गया। वोटबैंक की राजनीति के मद्दे-नजर उन्हें डराकर रखा गया और उन्हें अनपढ़, गरीब ही रहने दिया, उनके साथ छल किया गया। मोदी का एजेंडा है कि इस छल मे भेद किया जाये।

दरअसल मोदी अल्पसंख्यकों का विश्वास जीतना चाहते हैं। संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष मे अपने सांसदों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों को भ्रमित एवं भयभीत रखा गया। वोट बैंक की राजनीति के मद्दे-नजर उन्हें डराकर रखा गया और उन्हें अनपढ़, गरीब ही रहने दिया, उनके साथ छल किया गया। मोदी का एजेंडा है कि इस छल मे भेद किया जाये। भाजपा का अनुमान है कि हाल के चुनावों में १० फीसदी मुसलमानों ने मोदी को वोट दिया है। यह उनके 'सबका विश्वास' नारे को भी सशक्त करेगा।

मोदी की जीत में गरीबी दूर करने के लिये एक के बाद एक कई योजनाओं -- जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आवास योजना आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। गरीबी भारत के लिये सबसे बड़ा कलंक है। हालाँकि एक सर्वे के अनुसार हर मिनट ४४ भारतीय गरीबी की श्रेणी से बाहर निकलते जा रहे हैं। भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या है। एक अनुमान के मुताबिक भारत की आबादी २०२६ तक १५० करोड़ हो सकती है – इस रफ्तार से भारत की अर्थव्यवस्था नहीं बढ़ रही है। नौकरियों में लगातार कमी आ रही है, पिछली मोदी सरकार की सबसे बड़ी असफलता रही है ५० वर्षों में सबसे अधिक बेरोजगारों की संख्या। मोदी की आर्थिक नीतियों के लिये यह सबसे बड़ी चुनौती है, लघु एवं मध्यम उद्योग तथा खुदरा व्यवसाय को बड़ा धक्का लगा है, वित्तीय संसाधनों में बड़ी कमी आयी है, पूँजी का सर्वथा अभाव रहा है, महँगाई पर रोक के अतिरिक्त सभी आर्थिक मुद्दों पर सरकार असफल रही है। नई सरकार के समाने यही सबसे बड़ी चुनौती रहेगी।

अभी भी सरकार 'अमीर' शब्द कहने से घबड़ाती नजर आती है, जैसे अमीर होना पाप है। दोबारा प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने देश को गरीबी से मुक्त करने की बात करते हुए कहा कि अब देश में दो ही जातियाँ होंगी -- गरीब और (अमीर कहने से बचते हुए) गरीबी से मुक्त कराने में मदद करने वाले लोग। यह अमीरों की नई परिभाषा है। निश्चित ही भाजपा एवं मोदी सरकार के सामने उन्हें मिले अपार समर्थन एवं लोगों की बढ़ती हुई जागृत अपेक्षाओं पर खरे उतरने की चुनौती है, और सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक क्षेत्र में है।

यह दुर्भाग्य का विषय है कि २०१९ का चुनाव पूर्णतयाः शालीनताविहीन रहा, भाषा के निकृष्टतम स्तर पर पहुँचा, मतभेद मनभेद बनता दिखा एवं यह कटुता सर्वव्यापी एवं सर्वदलीय रही। इस संदर्भ में भारत के चुनाव के इतिहास में यह एक कलंकपूर्ण अध्याय रहा। भाजपा की जीत अपेक्षित थी लेकिन इतनी भारी विजय की अपेक्षा नहीं थी। इसी तरह लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की हार अपेक्षित थी, लेकिन इतनी बुरी हार की उम्मीद नहीं थी। देश की एक समय की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के लिये यह लगातार दूसरी बड़ी शर्मनाक पराजय है। २०१४ में कांग्रेस की सबसे बुरी हार थी जब वह ४४ सांसदो में सिमट गई थी और २०१९ का नतीजा सबके सामने है -- ५२ सांसदो के साथ विरोधी दल के नेता के संवैधानिक पद के लिये आवश्यक ५५ सीटों से भी कम। हालाँकि यह नतीजा आश्चर्यजनक भी रहा है क्योंकि किसी भी सर्वे ने कांग्रेस को ९०-१०० सीटों से कम की संख्या नहीं दी थी। कांग्रेस

को अपने हार से अधिक भाजपा की जीत की समीक्षा करने की आवश्यकता है – भाजपा को यह भारी बहुमत क्यों और कैसे प्राप्त हुआ। कांग्रेस के लिये अमेठी में राहुल गांधी की पराजय सबसे अधिक शर्मनाक रही। स्मृति ईरानी ने फैज की पुरानी पंक्तियों "सब ताज उछाले जायेंगे, सब तख्त गिराए जायेंगे" को सही साबित कर दिया।

कांग्रेस फिर हार की समीक्षा करेगी। राहुल गांधी अपने दल के कुछ नेताओं के 'पुत्रमोह' पर बुरी तरह नाखुश हैं, लेकिन इस विषय पर सोनिया गांधी का अपने पुत्र के विषय में क्या कहना होगा? यह भी प्रायः देखा गया है कि किसी भी राजनैतिक दल में एक बड़ी हार के उपरान्त उसके बड़े नेता पर ठीकरा फोड़कर उसके पदत्याग की माँग की जाती है। कांग्रेस में ठीक उसके विपरीत राहुल गांधी अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दिये बैठे है और पार्टी उन्हें मनाने में लगी है। हालाँकि राहुल गांधी के लिये यह समय है खुद को सिद्ध करने का, न कि परिस्थितियों से भागने का। पार्टी की विचारधारा को नए सिरे से स्पष्ट करना होगा, क्योंकि जितना आवश्यक कांग्रेस का खुद को इस हार से उभारना है, उतना ही आवश्यक देश के लोकतंत्र के लिये एक मजबूत विपक्ष का होना है।

निश्चित ही भाजपा एवं मोदी सरकार के सामने उन्हें मिले अपार समर्थन एवं लोगों की बढ़ती हुई जागृत अपेक्षाओं पर खरे उतरने की चुनौती है – और सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक क्षेत्र में है।.... कांग्रेस के लिये अमेठी में राहुल गांधी की पराजय सबसे अधिक शर्मनाक रही। स्मृति ईरानी ने फैज की पुरानी पंक्तियों "सब ताज उछाले जायेंगे, सब तख़्त गिराए जायेंगे" को सही साबित कर दिया।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं पश्चिम बंगाल के प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय, जिनको भाजपा की बंगाल में भारी जीत का मुख्य श्रेय दिया जाता है, का कहना है कि मोदी की कल्याणकारी योजनाओं के बंगाल में ४८ लाख लाभार्थियों की अहम भूमिका रही है। ममता सरकार के खिलाफ धारा ३५६ के अन्तर्गत राष्ट्रपति-शासन लागू करने से इन्कार करते हुए, विजयवर्गीय विश्वास व्यक्त करते हैं कि ममता सरकार २०२१ के विधानसभा चुनाव तक नहीं टिक पायेगी, उसके बहुत पहले ही आंतरिक विद्रोह के चलते ममता सरकार गिर जायेगी। पश्चिम बंगाल एक बड़े राजनैतिक एवं सामाजिक बदलाव की ओर उन्मुख है, किन्तु भय है कि यह गणतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण नहीं होगा। आने वाले दिन, अच्छे दिन नहीं होंगे, इस आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता।

पश्चिम बंगाल : कांग्रेस की देश में हार से अधिक आश्चर्यजनक भाजपा की बंगाल में भारी जीत

राजनीति, विशेषकर चुनावी राजनीति, में चमत्कार को नमस्कार है। यह कब और कैसे क्या गुल खिलाती है, कोई नहीं समझ सकता। दीदी ममता बनर्जी के पश्चिम बंगाल में भाजपा की १८ सांसदों के साथ आश्चर्यजनक एवं असंभावित जीत को एक "चमत्कार" ही कहा जा सकता है। इस जीत के पश्चिम बंगाल की राजनीति में दूरगामी परिणाम होंगे और यह राज्य की दशा और दिशा दोनों को बदल देगा। राज्य भाजपा अध्यक्ष और अब सांसद दिलीप घोष का नारा "२०१९ में हाफ, २०२१ में साफ" सम्भव होता नजर आ रहा है। लेकिन यह बात याद रखनी होगी कि दोनों दलों के बीच केवल ३ प्रतिशत मतों का अन्तर रहा है। ममता को २२ सीटें ४३.८ प्रतिशत मतों के साथ एवं भाजपा को १८ सीटें ४०.३ प्रतिशत मतों के साथ। भाजपा की भारी जीत ने एक तरफ ममता के अश्वमेध रथ को रोका है, वहीं वामपंथी दलों का सफाया कर दिया एवं कांग्रेस को किनारे खड़ा कर दिया।

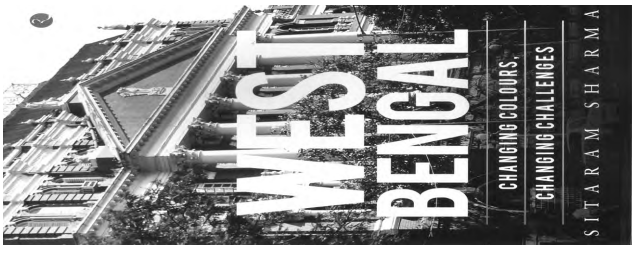

बंगाल में चुनावी हिंसा ठहरती नजर नहीं आ रही है, यह राज्य के लिये चिंताजनक है। राज्य में पूँजीनिवेश और औद्योगिक विकास के लिए वर्तमान माहौल चुनौतियाँ पैदा करेगा। २०२१ के विधानसभा चुनाव तक राजनैतिक अस्थिरता, कानून-व्यवस्था के प्रश्न नागरिकों को चिंतित करते रहेंगे। सभी राजनैतिक दलों, विशेषकर तृणमूल एवं भाजपा, की जिम्मेवारी बनती है कि राज्य में सहिष्णुता, कानून-व्यवस्था, सामाजिक सद्भाव एवं शांति का माहौल बनाने में सहयोग करें। चुनाव में जीत-हार एक गणतांत्रिक व्यवस्था है, इसे इसी रूप में स्वीकार किया जाना चाहिये। जो भी मतभेद रहे हों, गणतंत्र के चुनावी जीत का सम्मान किया जाना चाहिये।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं पश्चिम बंगाल के प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय, जिनको भाजपा की बंगाल में भारी जीत का मुख्य श्रेय दिया जाता है, का कहना है कि मोदी की कल्याणकारी योजनाओं के बंगाल में ४८ लाख लाभार्थियों की अहम भूमिका रही है। ममता सरकार के खिलाफ धारा ३५६ के अन्तर्गत राष्ट्रपति-शासन लागू करने से इन्कार करते हुए, विजयवर्गीय विश्वास व्यक्त करते हैं कि ममता सरकार २०२१ के विधानसभा चुनाव तक नहीं टिक पायेगी, उसके बहुत पहले ही आंतरिक विद्रोह के चलते ममता सरकार गिर जायेगी। पश्चिम बंगाल एक बड़े राजनैतिक एवं सामाजिक बदलाव की ओर उन्मुख है, किन्तु भय है कि यह गणतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण नहीं होगा। आने वाले दिन, अच्छे दिन नहीं होंगे, इस आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता। ***

[लेखक की पुस्तक 'वेस्ट बंगाल : चेंजिंग कलर्स, चेंजिंग चैलेंजेज' (प्रकाशक रूपा एण्ड कं., नयी दिल्ली) बंगाल की राजनीति पर एक अधिकृत दस्तावेज है।]

प्रादेशिक सम्मेलनों, शाखाओं एवं सदस्यों से सम्मेलन के सम्मानों हेतु मनोनयन का अनुरोध

मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं **दिल्ली की समाजसेवी संस्था रामनिवास आशारानी लाखोटिया ट्रस्ट** के संयुक्त तत्वावधान में राजस्थानी मूल के एक व्यक्ति को समाज के प्रति विशिष्ट योगदान हेतु सम्मानित करने के लिए इस सम्मान की स्थापना की गयी है। यह सम्मान सम्मेलन के ८५वें स्थापना दिवस (२५ दिसम्बर २०१९) समारोह/समुचित अवसर पर प्रदान किया जाएगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं १,००,००० रुपये की सम्मान राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व उपाध्यक्ष एवं बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष स्व. सीताराम रुँगटा की स्मृति में राजस्थानी भाषा की श्रीवृद्धि एवं प्रोत्साहन हेतु राजस्थानी साहित्यकारों को देने के लिए इस सम्मान की स्थापना की गई है। यह सम्मान सम्मेलन के ८५वें स्थापना दिवस (२५ दिसम्बर २०१९) समारोह/समुचित अवसर पर प्रदान किया जाएगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं २१,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान

सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी स्व. केदारनाथ कानोड़िया एवं उनकी धर्मपत्नी स्व. भागीरथी देवी कानोड़िया की स्मृति में राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य की श्रीवृद्धि एवं प्रोत्साहन हेतु इस सम्मान की स्थापना की गयी है। यह सम्मान सम्मेलन के ८५वें स्थापना दिवस (२५ दिसम्बर २०१९) समारोह/समुचित अवसर पर प्रदान किया जाएगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं २१,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

प्रादेशिक सम्मेलन, प्रमण्डल-जिला-शाखा सभाओं सम्बद्ध संस्थाओं एवं सदस्यों से उक्त सम्मानों हेतु उपयुक्त विशिष्टसमाजबंधु/साहित्यकारों का नाम प्रस्तावित कर सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय [४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७; दुरभाष : (०३३) ४००४ ४०८९; ईमेल : aimf1935@gmail.com] को आगामी ३१ अगस्त २०१९ तक प्रेषित करने का सादर अनुरोध है।

To your taste buds, with love...

Refreshingly, yours.

Indulgently, yours.

Addictively, yours.

Spicily, yours.

Healthily, yours.

Nourishingly, yours.

Delightfully, yours.

Obsessively, yours.

Temptingly, yours.

Passionately, yours.

Snackingly, yours.

Yours Tastefully Anmol™

celebrating 25 years

BISCUITS

www.anmolindustries.com | Follow us on:

Krishi Rasayan Group

29, Lala Lajpat Rai Sarani (Elgin Road),
Kolkata - 700020, West-Bengal, India
www.krishirasayan.com
E-mail: atul@krishirasayan.com
Telephone: +91-33-71081010/11

With more than 50 years of experience in the agro-chemical business and being one of the oldest and leading agrochemical companies of India, **Krishi Rasayan** is touching new heights with each passing day.

The continuous process of upgradation, development and inherent changes according to the market requirements have helped **Krishi Rasayan** become a leader in the domestic circuit. **Krishi Rasayan** is expanding word-wide with exports and overseas registrations focusing on South-East Asia, Africa, Middle-East, CIS and Latin America.

Krishi Rasayan has 8 multi-location manufacturing plants in different parts of India and has 5 overseas subsidiaries.

It also boasts of having contract technical manufacturing units in India manufacturing Pretilachlor, Ethephon, Cypermethrin, Profenofos, Imidacloprid, Thiamethoxam, Metalaxyl, Metribuzin, Acetamiprid, Glyphosate, Tricyclazole, Butachlor, Emamectin benzoate, Difenconazole and Chlorpyriphos.

Additional technical products to be added are under process. The company has technical tie-ups and contract manufacturing with various companies in China and also has an office in Shanghai, China.

The company has many products including formulations such as EC, SC, WDG, SP, GR, EW and CS

Krishi Rasayan specializes in many combination products & bio-products. GLP data are available for most of the products; both 5-batch and 6-pack study.

Insecticides:
Deltamethrin 1% + Triazofos 35% EC, Profenofos 40% + Cypermethrin 4% EC, Ethion 40% + Cypermethrin 4% EC, Chlorpyriphos 50% + Cypermethrin 5% EC, Acephate 25% + Fenvalerate 3% EC, Buprofezin 15% + Acephate 35% WP, Profenofos 20% + Cypermethrin 2% EC, Deltamethrin 2.5% + Permethrin 2.5% EC, and many other forumlations available.

Fungicides:
Metalaxyl 8% + Mancozeb 64% WP, Carboxin 37.5% + Thiram 37.5% DS, Carbendazim 12% + Mancozeb 63% WP, Streptomycin sulphate + Tetracycline hydrochloride (90:10), Iprodione 25% + Carbendazim 25% WP, Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% WP, etc

Weedicides:
Metsulfuron methyl 10% + Chlorimuron ethyl 10% WP & other formulations available.

PGR's:
6BA, Amino Acids, Ethephon, Gibberallic Acid, Hydrogen Cynamide, Tricontanol

Bio-Products:
Bacillus thuringiensis var kurstaki 7.5% WP, Trichoderma harzianum 2% WP, Trichoderma viride 1% WP, Pseudomonas fluorescens 0.5% WP, Neem Oil, Azadirachtin, Beauveria bassiana 1.15% WP, Verticillium lecani 1.15% WP and other formulations available.

'वोट करें, देश गढ़ें' : 'प्रभात खबर' समूह के साथ गोष्ठी

राजनैतिक सक्रियता से ही मिलेगा राजनैतिक प्रतिनिधित्व : सीताराम शर्मा
मतदान मात्र अधिकार नहीं कर्त्तव्य भी : संतोष सर्राफ

२०१९ के आम चुनावों के आलोक में गत कुछ महीनों में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने समाज के लोगों की राजनैतिक चेतना एवं मतदान के प्रतिशत में बढ़ोतरी के लिए सधन अभियान चलाया जिसके तहत कई कार्यक्रम आयोजित किए। सम्मेलन की प्रादेशिक शाखाएँ भी अपने-अपने स्तर से लोकतंत्र के इस महापर्व में सक्रिय रहीं और सकारात्मक योगदान दिया।

जिम्मेदार मीडिया-हाउसों ने भी टेलीविजन एवं समाचार-पत्रों के माध्यम से इसमें अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

देश के प्रमुख हिन्दी दैनिक 'प्रभात खबर' द्वारा चलाए जा रहे 'वोट करें, देश गढ़े' अभियान में सम्मेलन की भागीदारी-स्वरूप गत १३ अप्रैल २०१९ को शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता स्थित सम्मेलन कार्यालय सभागार में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी का सभापतित्व करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने कहा कि वर्तमान चुनाव अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मतदान मात्र अधिकार ही नहीं, कर्त्तव्य भी है और राष्ट्र-निर्माण में हमारी भूमिका का एक हिस्सा है।

गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि सम्मेलन की स्थापना की पृष्ठभूमि में भी राजनैतिक कारण ही थे। उन्होंने कहा कि गत कुछ दशकों के राजनैतिक प्रतिनिधित्व तथा मतदान-आँकड़ों का विश्लेषण करने पर इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि पश्चिम बंग में हिन्दीभाषियों की राजनैतिक हैसियत में कमी आई है जिसके लिए राजनैतिक गतिविधियों एवं मतदान के क्षेत्र में उनकी सक्रियता एवं उत्साह की कमी एक स्पष्ट कारण है।

श्री शर्मा ने कहा कि राजनीति को गंदा समझना या दलों को आर्थिक मदद कर अपने कर्त्तव्य की इतिश्री मान लेना सही नहीं है – **"बैड क्वाइंस कीप गुड क्वाइंस आउट ऑफ सर्कुलेशन"**। प्रवासियों के लिए समरसता, स्थानीय भाषा सीखने एवं स्थानीय लोगों से जुड़ाव को भी उन्होंने अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

अभियान की पृष्ठभूमि के विषय में बताते हुए 'प्रभात खबर' के सम्पादक **श्री कौशल किशोर त्रिवेदी** ने कहा कि बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा आदि हिन्दीभाषी राज्यों में मतदान के कम प्रतिशत के आलोक में, गत कुछ वर्षों से 'प्रभात खबर' समूह राजनैतिक सक्रियता हेतु यह अभियान चला रहा है।

प्रवासी हिन्दीवासियों में राजनैतिक सक्रियता की कमी और मतदान के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण की चर्चा करते हुए श्री त्रिवेदी ने कहा कि राजनैतिक दल इस कमी के विषय में जानते हैं, इसलिए प्रवासियों को महत्वपूर्ण नहीं बल्कि 'मैनेजेबल' समझते हैं। उन्होंने कहा कि प्रवासी समाजों में राजनैतिक चेतना और सक्रियता स्थानीय लोगों की तुलना में अधिक होनी चाहिए क्योंकि **'नथिंग इज पॉसिबल विदाउट पॉलिटिक्स'**।

सम्मेलन की राजनैतिक चेतना उपसमिति के चेयरमैन **श्री नंदलाल सिंघानिया** ने कहा कि राजनैतिक सक्रियता के लिए हर स्तर से प्रयास आवश्यक है। मतदान के दिन को छुट्टी का दिन न समझा जाए।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला** ने कहा कि प्रजातंत्र में लोगों का मत हो राष्ट्र का भाग्य-विधाता है। इसी पर राष्ट्र की उन्नति या अवनति निर्भर है। चुनाव राष्ट्रीय पर्व है जिसमें सबकी उत्साहपूर्वक भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राजनीति समाज का एक अहम अंग है जिससे अछूता नहीं रहा जा सकता।

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने कहा कि हम जिस चीज को अपना मानते हैं, उसके प्रति मोह होता है। यदि कोई हमारा धन लेना चाहे तो हम यथासम्भव विरोध करेंगे। इसी प्रकार अपने मत का भी हमें मोह होना चाहिए, उसका महत्व समझना चाहिए और मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। इस अधिकार से वंचित करने का कोई प्रयास करे तो पुरजोर विरोध करना चाहिए।

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंदकिशोर अग्रवाल** ने बताया कि प्रादेशिक स्तर पर विभिन्न प्रचार-प्रसार माध्यमों से राजनैतिक सक्रियता हेतु कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने इस कार्य में मीडिया की भूमिका को अहम बताया।

हिन्दुस्तान क्लब, कोलकाता की वाइस प्रेसिडेन्ट **श्रीमती सविता अग्रवाल** ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि महिलाओं-युवतियों में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ी है किन्तु इसे और अधिक बढ़ाने की आवश्यकता है।

गोष्ठी में सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री श्री दामोदर बिदावतका, संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी, सर्वश्री राजेश कुमार पोद्दार, पवन जालान, बृजमोहन गाड़ोदिया, पंकज केडिया, शिवकुमार गुजरवासिया, नरेन्द्र तुलस्यान, राजीव महेश्वरी, प्रेमचंद सुरेलिया, रतनलाल अग्रवाल, भानीराम सुरेका, रवि लोहिया, संजय शर्मा, अरूण मल्लावत, ताराचंद पाटोदिया, ओमप्रकाश मस्करा, अमित मूँधड़ा, किशन किला, सुरेश अग्रवाल, प्रकाश किल्ला एवं 'प्रभात खबर' समूह के संवाददाता-छायाकार अच्छी संख्या में उपस्थित थे।

— — — — —

'सीधी बात' भाजपा प्रत्याशियों से

सभी वर्गों के लोग भाजपा से जुड़ रहे : चन्द्र कुमार बोस
भाजपा है तृणमूल का सशक्त विकल्प : राहुल सिन्हा

प्रधानमंत्री मोदी की सकारात्मक नीतियों एवं 'सबका साथ सबका विकास' की भावना तथा बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के तानाशाही रवैये के कारण आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा को बड़ी सफलता मिलेगी, ऐसा मानना था भाजपा प्रत्याशियों **श्री राहुल सिन्हा** और **श्री चन्द्र कुमार बोस** का जो क्रमशः उत्तर एवं दक्षिण कोलकाता लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी थे। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी के राजनैतिक चेतना कार्यक्रम के अन्तर्गत गत १२ मई २०१९ को ओसवाल भवन, कोलकाता में आयोजित 'सीधी बात' कार्यक्रम में सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, लेखक–पत्रकार एवं समाजचिंतक **श्री सीताराम शर्मा** के प्रश्नों का उत्तर देते हुए इन प्रत्याशियों ने आगामी चुनाव में पश्चिम बंग में भाजपा की बड़ी जीत का दावा किया।

सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने अपने स्वागत–वक्तव्य में कहा कि सम्मेलन किसी राजनैतिक दल विशेष का समर्थन नहीं करता लेकिन समाज में राजनैतिक चेतना एवं अधिकाधिक मतदान को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न उपायों से प्रयास करता है। लोकसभा चुनाव को लोकतंत्र का महापर्व बताते हुए उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से शत–प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने का आह्वान किया। सम्मेलन की राजनैतिक चेतना उपसमिति के चेयरमैन **श्री नंदलाल सिंघानिया** ने कार्यक्रम का संचालन किया।

श्री सीताराम शर्मा के प्रश्नों के उत्तर में श्री चन्द्र बोस ने कहा कि भाजपा में नया होने के बावजूद वे राजनैतिक पृष्ठभूमि से आते हैं और अपने लोकसभा क्षेत्र से भली-भाती अवगत हैं। उन्होंने कहा कि गत पाँच सालों में मोदी सरकार के सफल कामकाज का लाभ भाजपा के प्रत्येक प्रत्याशी को मिलेगा और वे अपनी जीत के प्रति आश्वस्त हैं। चन्द्र बोस ने कहा कि नेताजी सुभाष बोस एवं नरेन्द्र मोदी में काफी समानताएँ हैं – दोनों प्रखर राष्ट्रवादी एवं राष्ट्र के प्रति समर्पित, प्रतिबद्ध व्यक्तित्व हैं। उन्होंने कहा कि भले ही वे नेताजी के परिवार से हैं, अपने इस सम्बंध का उपयोग वे राजनैतिक लाभ के लिए नहीं करते।

श्री सीताराम शर्मा के प्रश्नों के उत्तर में, श्री राहुल सिन्हा ने कहा कि बहुत पहले ही उन्होंने कहा था कि भाजपा तृणमूल का विकल्प बनेगी। आज भाजपा न सिर्फ तृणमूल का सशक्त विकल्प है बल्कि बहुत जल्द बंगाल की सत्ता में भी आने वाली है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के वक्तव्यों में तिलमिलाहट से भी यह स्पष्ट दिखता है। श्री सिन्हा ने कहा कि तृणमूल पूरी तरह हिंसा की

'सीधी बात' कार्यक्रम में (बायें से) सर्वश्री नंदलाल सिंघानिया, नन्द किशोर अग्रवाल, संतोष सराफ, सीताराम शर्मा, राहुल सिन्हा एवं चन्द्र कुमार बोस।

राजनीति कर रही है और भाजपा को अपने प्रचार-प्रसार से ज्यादा तवज्जो इस ओर देनी पड़ती है। यह पूछे जाने पर कि भाजपा का संगठन बंगाल में क्यों नहीं बढ़ रहा, उन्होंने कहा कि संगठन उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना जनता का समर्थन, जनता जिसे उखाड़ेगी उसे कोई नहीं बचा सकता।

धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंदकिशोर अग्रवाल** ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न नगरों की शाखाएँ राजनैतिक चेतना के लिए सक्रिय रूप से प्रयासरत हैं। सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला** एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी** एवं **श्रीमती कुसुम मोदी** ने प्रत्याशियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में पार्षद श्रीमती मीनादेवी पुरोहित, सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया, सर्वश्री अरुण प्रकाश मल्लावत, शिव कुमार बागला, बजरंग मोदी, सत्यनारायण अग्रवाल, सीताराम अग्रवाल, सुरेश भंगानी, शिव कुमार गुजरवासिया, संजीव कुमार केडिया, पंकज केडिया, विनय अग्रवाल, राजकुमार जायसवाल, सर्वश्रीमती/सुश्री कविता पारीक, नीलम शर्मा, रेखा चांडक, सुधा मिश्रा, नीलिमा सिन्हा, संगीता चौधरी, मीनू शर्मा, रजनी पाठक, आशा दास, मंजू जायसवाल सहित बड़ी संख्या में महिलायें-पुरुष, युवक-युवतियाँ उपस्थित थे।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
प्रगति रपट : उच्च शिक्षा कोष

सम्मेलन के ट्रस्ट मारवाड़ी सम्मेलन फाउंडेशन के अन्तर्गत स्थापित उच्च शिक्षा कोष से देश के विभिन्न भागों के मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को अब तक कुल **दो करोड़ आठ लाख बाईस हजार रुपयों** की राशि अनुदान के रूप में दी जा चुकी है। वित्तीय वर्ष २०१८-१९ में इक्यावन लाख बीस हजार रुपये और वर्तमान वित्तीय वर्ष २०१९-२० में अब तक नौ लाख बावन हजार रुपयों की राशि प्रदान की गयी है।

वित्तीय वर्ष २०१८-१९ में ४७ एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष २०१९-२० में ११ सहित अब तक कुल ९९ लाभार्थी इस सुविधा का लाभ उठा चुके हैं।

'सीधी बात' तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी से

भाजपा की आर्थिक नीतियों के प्रति जनता में आक्रोश : सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय

प्रधानमंत्री मोदी के नोटबंदी एवं जीएसटी जैसी गरीब-विरोधी नीतियों, जिनसे आम जनता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा, तथा तानाशाही रवैयों के कारण आम जनमानस में भाजपा के प्रति आक्रोश है और उसका खामियाजा भाजपा को पूरे देश में उठाना पड़ेगा, ऐसा मानना था उत्तर कोलकाता क्षेत्र के सांसद एवं प्रत्याशी **श्री सुदीप बंद्योपाध्याय** का। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी के राजनैतिक चेतना कार्यक्रम के अन्तर्गत गत १४ मई २०१९ को महाजाति सदन, कोलकाता में आयोजित 'सीधी बात' कार्यक्रम में सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, लेखक–पत्रकार एवं समाजचिंतक **श्री सीताराम शर्मा** के प्रश्नों का उत्तर देते हुए सांसद ने ये विचार व्यक्त किए।

श्री सुदीप बंद्योपाध्याय ने कहा कि मोदी की कोई लहर नहीं है और पश्चिम बंग में तृणमूल बयालिस की बयालिस सीट जीतेगी। श्री सीताराम शर्मा द्वारा यह पूछे जाने पर कि उत्तर कोलकाता लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से उनका सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी कौन है, सांसद ने कहा कि गर्मी और धूप। उन्होंने कहा कि यूँ तो २० से अधिक उम्मीदवार चुनाव में हैं, उन्हें बैलेट बॉक्स पर नम्बर वन स्थान मिला है और परिणाम भी ऐसे ही जायेंगे।

मंच पर सांसद श्री सुदीप बंद्योपाध्याय के साथ विराजमान 'सन्मार्ग' के यशस्वी सम्पादक, तृणमूल से पूर्व राज्यसभा सांसद एवं सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री विवेक गुप्त** ने कहा कि सम्मेलन के कार्यक्रमों में सांसद श्री बंद्योपाध्याय ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है। श्री सीताराम शर्मा के हिन्दीभाषियों से सम्बंधित एक प्रस्न के उत्तर में सांसद श्री बंद्योपाध्याय ने कहा कि कोई भी प्रत्याशी जो हिन्दीभाषियों से अपने को अलग रखना चाहेगा, उसका डूबना निश्चित है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ममताजी ने हिन्दी सेल सहित हिन्दीभाषियों के लिए कई कार्यक्रम रखे–बनाये हैं जिनपर गंभीरता से विचार एवं कार्य होगा।

'सीधी ब ात' कार्यक्रम में (बायें से) सर्वश्री नन्द किशोर अग्रवाल, संतोष सराफ, सीताराम शर्मा, सुदीप बंद्योपाध्याय एवं विवेक गुप्त।

सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने अपने स्वागत-वक्तव्य में, श्री बंद्योपाध्याय को शुभकामनायें देते हुए, कहा कि सम्मेलन समाज में राजनैतिक चेतना एवं अधिकाधिक मतदान को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न उपायों से प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और इनके नतीजों के दूरगामी परिणाम होंगे।

धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंदकिशोर अग्रवाल** ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न नगरों की शाखाएँ राजनैतिक चेतना के लिए सक्रिय रूप से प्रयासरत हैं। सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्रियों **श्री संजय हरलालका** एवं **श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका** ने सांसद एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में क्षेत्र की तृणमूल विधायक श्रीमती स्मिता बख्शी, पार्षद श्रीमती इलोरा साहा, सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार, महामंत्री श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला, कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी, सर्वश्री मृणाल साहा, सुरेश पाण्डेय, आत्माराम सोन्थलिया, शिव कुमार गुजरवासिया, दिनेश कुमार जैन, सुशील ओझा, राजेश पोद्दार, राजेश जैन, विजय कुमार वर्मा, ओमप्रकाश पोद्दार, राजकुमार व्यास, राजकुमार

सम्मेलन का राजनैतिक चेतना कार्यक्रम

अग्रवाल, ओमप्रकाश शर्मा, देवकी नंदन धुलिया, सुरेन्द्र शर्मा, राजकुमार शर्मा, काशी प्रसाद धेलिया, संजय शर्मा, पवन कुमार जालान, सीताराम शर्मा, प्रेमचंद सुरेलिया, सतीश आर्या, संजीव कुमार केडिया, राधाकृष्ण सफ्फड़, इन्द्र चन्द्र महरीवाल, बी. मारोठिया, के.के. सिंघानिया, वेद प्रकाश जोशी, सिद्धांत जोशी, कमल कुमार सरावगी, रतन कुमार अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में महिलायें–पुरुष, युवक–युवतियों उपस्थित थे।

पश्चिम बंग सम्मेलन ने भी निभाई सराहनीय भूमिका

सम्मेलन के राजनैतिक चेतना कार्यक्रम में पश्चिम बंग प्रादेशिक इकाई एवं इसकी पुरुलिया, बांकुड़ा, आसनसोल, रानीगंज, दुर्गापुर, हुगली, हवड़ा आदि शाखाओं ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और समाज के लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। हजारों की संख्या में बैनर छपवाये गए और विभिन्न शहरों के महत्वपूर्ण स्थानों पर इन्हें लगाया गया।

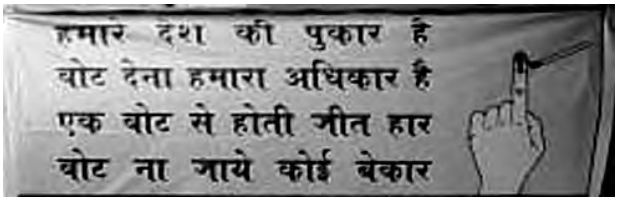

पश्चिम बंग सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंद किशोर अग्रवाल** ने बताया कि सभी शाखाओं ने राजनैतिक चेतना एवं मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए कार्यक्रमों के प्रति काफी उत्साह दिखाया और सक्रिय भूमिका निभाई। कोलकाता के **श्री ब्रजमोहन गाड़ोदिया** ने भी इसमें महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

समाचार सार

बरगढ़ सम्मेलन की हनुमान जयंती

गत १९ अप्रैल २०१९ को सम्मेलन की बरगढ़ (उत्कल) शाखा द्वारा स्थानीय वी.डी. प्लेस में भव्य ढंग से हनुमान जयंती समारोह का आयोजन किया गया। शाखाध्यक्ष श्री किशोर अग्रवाल ने सभी उपस्थितों का प्रेमपूर्वक स्वागत किया। उत्कल सम्मेलन के निवर्तमान अध्यक्ष श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल ने मुख्य यजमान की भूमिका निभाई।

अखंड ज्योति प्रज्ज्वलन के बाद भजन-गायक श्री आलोक एवं उनकी टीम द्वारा भजनों के साथ संगतिमय रूप से सुन्दरकांड का पाठ किया गया। प्रान्तीय उपाध्यक्ष श्री जगदीश गोलपुरिया ने भजन कार्यक्रम का संचालन किया।

महोत्सव का संचालन शाखा-सचिव श्री किशन अग्रवाल ने किया। मारवाड़ी महिला समिति की प्रांतीय अध्यक्षा श्रीमती गायत्री लाठ, युवा मंच के स्थानीय शाखाध्यक्ष श्री राजू जैन, श्रीमती अनुराधा अग्रवाल, श्री रतनलाल अग्रवाल, श्री प्रदीप देवता आदि ने समारोह की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम का संयोजन श्री राकेश झवर एवं श्री लाला लिखमानिया ने किया। सर्वश्री दामोदर अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, सरोज अग्रवाल, दिलीप अग्रवाल, डॉ. पवन शर्मा आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई और कार्यक्रम को सफल बनाया।

बधाई!

सादुलपुर (चुरू, राजस्थान) निवासी सुश्री प्रिया पुनिया भारतीय महिला क्रिकेट की टी-२० टीम में चयनित हुई हैं। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की अनेकानेक बधाइयाँ एवं उज्ज्वल भविष्य हेतु अनंत शुभकामनायें!

राजस्थानी भाषा पाठशाला की स्थापना

अपने इतिहास-संस्कृति के ज्ञान के लिए अपनी भाषा जानना जरूरी : अनुराधा लोहिया

"अपनी मातृभाषा की महत्ता सर्वोपरि है। अपने समाज, परिवेश, इतिहास एवं संस्कृति के सम्यक ज्ञान के लिए अपनी भाषा जानना अनिवार्य है। साथ ही, यह भी प्रयास होना चाहिए कि तकनीकी शिक्षा अपनी भाषा में दी जा सके, क्योंकि वही भाषा शिखर पर पहुँचेगी, जो तकनीकी शिक्षा का माध्यम हो।" ये विचार सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक एवं प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी, कोलकाता की कुलपति **श्रीमती अनुराधा लोहिया** ने गत १ मई २०१९ को राजस्थानी भाषा पाठशाला के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए व्यक्त किए। ज्ञातव्य है कि **अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं श्री हरि ग्लोबल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में १८, बालीगंज सर्कुलर रोड, कोलकाता में राजस्थानी भाषा पाठशाला की स्थापना की गई है** जिसका उद्देश्य है कि राजस्थानी भाषा सीखने के इच्छुक लोगों को उपयुक्त संस्थान के अभाव में अपनी भाषा के ज्ञान से वंचित न रहना पड़े। राजस्थानी भाषा पाठशाला की स्थापना को साहसिक कदम बताते हुए श्रीमती लोहिया ने कहा कि कतिपय कारणों से राजस्थानी भाषा पीछे छूट रही थी और इसके प्रचार-प्रसार-संरक्षण को बढ़ावा देना आवश्यक तथा प्रशंसनीय है।

समारोह के प्रारम्भ में सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री विवेक गुप्त** एवं **श्रीमती सुमित्रा मोदी ने श्रीमती अनुराधा लोहिया**

का स्वागत-सम्मान किया। श्रीमती लोहिया ने पाठशाला एवं सम्मेलन के पदाधिकारियों के साथ मिलकर दीप-प्रज्ज्वलन कर समारोह का विधिवत शुभारम्भ किया।

अपने वक्तव्य में पाठशाला के चेयरमैन एवं सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** ने भाषा को माता के समान बताते हुए सबसे साथ आकर इस कार्यक्रम में सहयोग करने एवं राजस्थानी भाषा सीखने के लिए अधिकाधिक लोगों को उत्प्रेरित करने का आह्वान किया। पाठशाला के वाइस चेयरमैन **श्री रघुनंदन मोदी** ने अपने सरस अंदाज में कहा कि अगर व्यावसायिक कारणों से हम अपने कार्यक्षेत्र में राजस्थानी भाषा का उपयोग न भी कर सकें तो कम से कम अपने घर एवं आपसी विचार-विमर्श में हमें जरूर इसका प्रयोग करना चाहिए। सम्मेलन

के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने अपने संबोधन में कहा कि यह एक शुभ दिन है कि राजस्थानी भाषा पाठशाला का उद्घाटन हुआ है। उन्होंने पाठशाला के सर्वरूपेण सफलता की शुभकामनायें दी।

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सन्मार्ग के ग्रुप सम्पादक **श्री विवेक गुप्त** ने अपने उद्बोधन में पाठशाला की स्थापना को एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि किसी से उसकी भाषा में बात करें तो बात सीधे हृदय तक पहुँचती है। डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया एवं श्री रघुनंदन मोदी का आभार व्यक्त करते हुए श्री गुप्त ने कहा कि मुझ सहित अनेक सामाजिक लोगों के मन में इस प्रकार के संस्थान की स्थापना का स्वप्न रहा है, आपने हमारे सपनों को एक आकार दिया है।

धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने मुख्य अतिथि श्रीमती अनुराधा लोहिया एवं सभी उपस्थितों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन गत आठ दशकों से राजस्थानी भाषा की श्रीवृद्धि एवं प्रचार-प्रसार के बहुविध कदम उठाता रहा है। इन कदमों का संक्षिप्त विवरण देते हुए उन्होंने कहा कि सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रुँगटा** के सौजन्य से राजस्थानी व्याकरण की पुस्तक पूरे देश में वितरित की जा रही है। साथ ही, प्रत्येक वर्ष उत्कृष्ट साहित्य-सृजन हेतु दो साहित्यकारों को भव्य रूप से सम्मानित किया जाता है। कम से कम अपने घर में अपनी भाषा के प्रयोग को आवश्यक बताते हुए श्री सराफ ने कहा कि अपनी भाषा न जानना चिन्ता का विषय है और इसे सीखने के लिए निष्ठापूर्वक प्रयास होना चाहिए।

हिन्दी एवं राजस्थानी भाषाओं की सुप्रसिद्ध लेखिका **श्रीमती सुन्दर पारख** ने सुमधुर गीत '**म्हारो जंगल-मंगल देश, म्हाने प्यारो लागे जी**' सुनाया। पाठशाला की मनोनीत शिक्षिकाओं **श्रीमती अनुराधा सादानी** एवं **श्रीमती राजकन्या मोहता** ने सधे स्वर में क्रमशः सरस्वती एवं गणेश-वंदना प्रस्तुत किया। श्री राजेश अग्रवाल ने समारोह का कुशल संचालन किया। समारोह में सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** एवं **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, सर्वश्री हरिप्रसाद बुधिया, शिव कुमार लोहिया, नंदलाल सिंघानिया, दामोदर प्रसाद बिदावतका, सर्वश्रीमती चम्पादेवी कानोड़िया, मधूलिका कानोड़िया, मंजू लोहिया, सुशीला सिंघानिया** सहित अच्छी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

त्रैमासिक रपट : पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन

(२३ दिसम्बर २०१८ से ३१ मार्च २०१९)

दिनांक २३ दिसम्बर २०१८ को नगांव शाखा के आतिथ्य मे वर्तमान प्रांतीय कार्यकारिणी की तृतीय बैठक एवं प्रांतीय सभा का आयोजन किया गया। उक्त सभा मे पूर्वोत्तर प्रांत को अधिकतम संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। आयोजक नगांव शाखा ने उत्कृष्ट आतिथ्य कर सभी का मन मोह लिया।

दिनांक २५ दिसम्बर २०१८ को प्रांत की अधिकांश शाखाओं ने सम्मेलन के स्थापना दिवस का पालन किया। उक्त अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। अनेक शाखाओं ने अपने पूर्व पदाधिकारियों एवं समाजबंधुओं का अभिनंदन किया।

दिनांक २५ दिसम्बर २०१८ को कामरूप शाखा द्वारा आयोजित स्थापना दिवस कार्यक्रम में प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री अशोक अग्रवाल एवं प्रांतीय महामंत्री श्री राजकुमार तिवाड़ी अतिथिस्वरूप उपस्थित हुए एवं उक्त अवसर पर आयोजित चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया।

दिनांक १२ जनवरी २०१९ को गुवाहाटी में सम्मेलन एवं युवा मंच के वरिष्ठ पदाधिकारियों की सभा संपन्न हुई, जिसमें नागरिकता संशोधन विधेयक पर उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर हमारी संस्था की क्या भूमिका हो इस विषय पर चिन्तन किया गया।

दिनांक २३ जनवरी २०१९ को अखिल असम छात्र संघ (आसु) द्वारा नागरिकता संशोधन विधेयक के विरोधस्वरूप आयोजित रैली में सम्मेलन के अनेक पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उनके निमंत्रण पर भाग लिया।

दिनांक २६ जनवरी २०१९ को कामरूप शाखा द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री अशोक अग्रवाल एवं प्रांतीय महामंत्री श्री राजकुमार तिवाड़ी अतिथिस्वरूप उपस्थित हुए।

दिनांक २९ जनवरी २०१९ को गुवाहाटी शाखा एवं गुवाहाटी महिला शाखा की नवगठित कार्यकारिणी समिति के शपथग्रहण समारोह में प्रांतीय महामंत्री श्री राजकुमार तिवाड़ी मुख्य अतिथिस्वरूप उपस्थित हुए। समारोह में प्रांत के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहा।

दिनांक ३० जनवरी २०१९ को प्रांतीय सलाहकार श्री शिवभगवान शर्मा के ज्येष्ठ पुत्र के निधन पर अंतिम संस्कार के दौरान सम्मेलन की तरफ से प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री अशोक अग्रवाल ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

दिनांक १ फरवरी २०१९ को वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी श्री जी.एल. अग्रवाल के निधन पर सम्मेलन की तरफ से उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की गई। दिनांक ३ फरवरी २०१९ को स्वर्गीय जी.एल. अग्रवाल की स्मृति में सम्मेलन की तरफ से स्थानीय माहेश्वरी भवन में स्मृति सभा आयोजित की गई।

दिनांक ८ फरवरी २०१९ को असम साहित्य सभा के अध्यक्ष श्री परमानंद राजवंशी के आमंत्रण पर नागरिक संशोधन विधेयक पर चर्चा के लिए सम्मेलन की तरफ से सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकरिया के नेतृत्व में अनेक पदाधिकारियों ने उनसे मुलाकात की।

दिनांक १० फरवरी २०१९ को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने गुवाहाटी आगमन पर पूर्वोत्तर प्रांतीय इकाई के अनेक वरिष्ठतम पदाधिकारियों के साथ एक बैठक की। प्रांत की तरफ से उनका स्वागत किया गया एवं सम्मेलन के विषय पर विस्तृत चर्चा की गई।

दिनांक १५ फरवरी २०१९ को पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु श्रद्धांजलि सभा का आयोजन सम्मेलन द्वारा किया गया। प्रांत की अनेक शाखाओं में भी इसी तरह की श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ।

दिनांक २१ फरवरी २०१९ को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में सम्मेलन द्वारा मायड़ भाषा दिवस का आयोजन किया गया।

दिनांक २१ मार्च २०१९ को प्रांतीय सलाहकार श्री नागरमल शर्मा एवं प्रांतीय सहायक मंत्री श्री सुरजीत सिंह भारो के सहयोग में बिजनी मे शाखा के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ हुई। बिजनी में इसका दायित्व श्री रामप्रकाश अग्रवाल एवं श्री विष्णु प्रकाश बजाज को दिया गया।

दिनांक २१ मार्च २०१९ को गुवाहाटी शाखा द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में प्रांतीय अध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकरिया सम्मानित अतिथिस्वरूप उपस्थित हुए।

दिनांक ३१ मार्च २०१९ को कामरूप शाखा द्वारा आयोजित चुनाव प्रक्रिया में प्रांतीय पर्यवेक्षक स्वरूप प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री अशोक अग्रवाल उपस्थित थे।

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की गणगौर शाखा की स्थापना

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की एक बैठक गत ३१ मार्च २०१९ को दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-३ स्थित बीकानेरवाला, रिंग रोड मॉल में आयोजित की गई। बैठक में दिल्ली सम्मेलन की गणगौर शाखा की स्थापना की गई। बैठक में काफी संख्या में समाजबन्धु उपस्थित थे, विशेष बात थी नारीशक्ति की उल्लेखनीय उपस्थिति। सर्वसम्मति से **श्री पवन कुमार पोद्दार** को शाखाध्यक्ष मनोनीत किया गया। कार्यक्रम मे राष्ट्रीय उपाध्क्ष **श्री पवन गोयनका**, प्रान्तीय अध्यक्ष **श्री राज कुमार मिश्रा**, प्रान्तीय कोषाध्यक्ष **श्री सुन्दर लाल शर्मा**, प्रान्तीय उपाध्यक्ष श्री बसन्त पोद्दार, **श्री सुरेश पोद्दार** एवं अनेक पदाधिकारीगण उपस्थित थे। शाखा के गठन मे विशेष प्रयास हेतु **श्री बसन्त पोद्दार** का हार्दिक आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में **श्री गोपाल सुथार** की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

दिल्ली सम्मेलन की बैठक

गत ११ मई २०१९ को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की एक बैठक कर्मठ समाजसेवी **श्री सुरेश कुमार पोद्दार** के निवास पर आयोजित हुई जिसमें संगठन-विस्तार सहित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। दिल्ली सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री राज कुमार मिश्रा** के सभापतित्व में आयोजित बैठक में सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं दिल्ली सम्मेलन के प्रभारी **श्री पवन कुमार गोयनका**, दिल्ली सम्मेलन के उपाध्यक्ष **श्री बसंत पोद्दार**, गणगौर शाखा के अध्यक्ष **श्री पवन पोद्दार**, **श्री ओमप्रकाश अग्रवाल**, **श्रीमती कृष्णा गोयनका**, **श्रीमती वंदना पोद्दार** एवं **श्रीमती आशिता** उपस्थित थे। सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया**, जो तब दिल्ली में उपस्थित थे, ने भी बैठक में भाग लिया और उन्हें सम्मानित भी किया गया। इंग्लैंड के कॉस बिजनेस स्कूल से एम.एस.सी. मैनेजमेंट का कोर्स सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए दिल्ली की **सुश्री संचिता** का भी इस बैठक में अभिनन्दन किया गया।

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
  - **Radiology**
    - Digital X-Ray
    - Ultrasonography
    - Colour Doppler Study
  - **Cardiology**
    - ECG
    - Echo-Cardiography
    - Echo-Colour Doppler
    - Holter Monitoring
    - Treadmill Test (TMT)
    - Pulmonary Function Test (PFT)
  - **Neurology**
    - EMG
    - NCV
    - EEG
  - **Gastro Enterology:**
    - UGI Endoscopy
    - Colonoscopy
- **Dental General & Cosmetic**
- **Sleep Study (PSG)**
- **Eye Care Clinic**
- **Ent Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Consultation with leading Specialists**
- **Physiotherapy**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Comprehensive Health Check-up Programmes**
- **Diabetes Care Clinic**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 98300 19073, 97481 22475

98300 19073

Consultation | Diagnostics | Dentistry | Health Checks

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

The Apollo Clinic

P-72, Prince Anwar Shah Road, Kolkata-700 045
Email : pashahroad@theapolloclinic.com

Over ₹1,50,000 crores
worth of disbursements made.
Over ₹40,000 crores
worth of assets under management.
Over 72,000
entrepreneurs empowered.
Only 1 name
partnering with India's dream
towards a better future.
Kanoria Foundation
WORK WITH DEVOTION
SREI
Together We Make Tomorrow Happen
www.srei.com
Srei Infrastructure Finance Limited
Srei Equipment Finance Limited
INFRASTRUCTURE PROJECT FINANCE, ADVISORY AND DEVELOPMENT | INFRASTRUCTURE EQUIPMENT FINANCE
ALTERNATIVE INVESTMENT FUND | CAPITAL MARKET | INSURANCE BROKING

पूर्वी सिंहभूम सम्मेलन का राजस्थान स्थापना दिवस समारोह

अपनी सभ्यता-संस्कृति से जुड़े रहना जरूरी : निर्मल काबरा

पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा गत ३० मार्च २०१९ को साकची, जमशेदपुर स्थित धालभूम क्लब में राजस्थान स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समाज के हजारों महिलाओं-पुरुषों की उपस्थिति में अनेक प्रकार के कार्यक्रम समारोह के दौरान आयोजित किए गए।

समारोह के प्रारम्भ में पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री उमेश साह** ने सभी उपस्थितों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि के रूप में समारोह को सम्बोधित करते हुए झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री निर्मल कुमार काबरा** ने कहा कि नई तकनीकें सीखना अच्छी बात है किन्तु अपनी मूल सभ्यता-संस्कृति से जुड़े रहना एवं उसे अक्षुण्ण बनाए रखने का हर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जहाँ तक सम्भव हो, विशेषकर पारिवारिक-सामाजिक वार्तालाप में, राजस्थानी भाषा का प्रयोग करना चाहिए। उद्घाटन समारोह का संचालन जिला सम्मेलन के सह-सचिव **श्री अरुण गुप्ता** ने किया।

समारोह के दौरान जिला सम्मेलन की तीन शाखाओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु **सर्वश्रेष्ठ शाखा सम्मान** से नवाजा गया – **जादुगोड़ा शाखा को मुक्तिधाम के निर्माण, कदमा शाखा को सामाजिक क्षेत्र में कार्य और सुनारी शाखा को सर्वाधिक सदस्यता हेतु।**

समारोह में गणगौर प्रतियोगिता हेतु सोलह विभिन्न क्षेत्रों से महिलायें गणगौर सजाकर लायी थीं। इनमें से तीन श्रेष्ठ सजावटकरने वाली टीमों को पुरस्कृत किया गया। **प्रथम पुरस्कार साकची की निधि साह; द्वितीय पुरस्कार जुगसलाई की साक्षी अगरवाल एवं तृतीय पुरस्कार कदमा की रिशिका एवं निधि को प्राप्त हुआ।**

इस अवसर पर **जयपुर, राजस्थान से पधारे 'स्पर्श ग्रुप'** के कलाकारों द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम की भी प्रस्तुति हुई। गणेश-वंदना एवं वरिष्ठ जनों द्वारा दीप-प्रज्ज्वलन के बाद, राजस्थानी संगीत-संस्कृति की अनुपम छवि इन कलाकारों ने बिखेरी। महाकवि सेठिया रचित 'धरती धोरां री...' पर आबालवृद्ध नृत्य करते, झूमते दिखे। सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन स्थानीय कलाकार **श्री महावीर अग्रवाल** ने किया।

समारोह के अंत में जिला सम्मेलन के महामंत्री **श्री अशोक कुमार मोदी** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया। पूरे समारोह के संयोजन का दायित्व भी श्री मोदी पर ही था जिसका उन्होंने अत्यंत कुशलतापूर्वक निर्वहन किया।

झारखंड सम्मेलन के महामंत्री श्री सुरेश सोन्थालिया, सिंहभूम चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री अशोक भालोटिया, जिला अग्रवाल सम्मेलन अध्यक्ष श्री संतोष अग्रवाल, सर्वश्री श्रवण मित्तल, पवन अग्रवाल, बालमुकुन्द गोयल, सुभाष साह सहित बड़ी संख्या में समाज के स्त्री-पुरुषों ने समारोह की गरिमा बढ़ाई। आयोजन में सर्वश्री बजरंग लाल अग्रवाल, राजकुमार संधी, ओमप्रकाश रिगसिंया, सत्यनारायण अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, प्रकाश शर्मा एवं श्रीमती रानी अग्रवाल, श्रीमती सुशीला खीरवाल आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

महिला किसान की जिद और आत्मसम्मान की कहानी

मरुधरा में ऊगा दिए अनार और सेब

"जो मंजिलों को पाने की चाहत रखते है वो मरुस्थल में भी पानी ला देते हैं।" यह कथन राजस्थान के सीकर जिले की एक महिला प्रगतिशील किसान पर सटीक बैठती हैं। खेती-बाड़ी को घाटे का सौदा माना जाता है। संयुक्त परिवार से अलग होकर जब एकल परिवार में यह महिला आयी तो खेती करने के नाम पर केवल १.२५ एकड़ जमीन थी, परम्परागत खेती के चलते घर का खर्चा चलाना भी मुश्किल हो रहा था और ऊपर से परिवार के अन्य लोगो से भी ताने सुनने को मिलते थे।

इन मुसीबतों से घबराये बिना इस महिला किसान ने नयी तकनीक के साथ खेती करनी शुरू की। आज वो अपनी जमीन से न केवल **साल के २५ लाख रुपये कमा** रही है बल्कि मरुस्थल में अनार और सेब की खेती कर रही है। **इस प्रगतिशील किसान का नाम है : संतोष देवी खेदड़।**

राजस्थान के सीकर जिले की अधिकांश जमीन थार मरुस्थल का हिस्सा है, जिसे लोग बंजर मानकर चलते हैं। साल में मानसून सीजन में ज्वार या बाजरा की खेती ही की जाती है लेकिन संतोष देवी के सामने चुनौती बड़ी थी। उन्हें न केवल अपने परिवार का खर्चा चलाना था बल्कि खुद को अपने परिवार वालों के सामने साबित भी करना था।

उन्होंने राजस्थान की मिट्टी और मौसम के लिहाज से सेब और अनार की खेती करने का असम्भव सा कार्य अपने हाथ में लिया। आर्गेनिक खेती के तौर-तरीकों के साथ ही आधुनिक तकनीक के प्रयोग से संतोष देवी को आशातीत सफलता मिली। संतोष देवी सीकर के बेरी गांव में १.२५ एकड़ जमीन में शेखावाटी फार्म चलाती हैं। सेब और अनार की खेती करती हैं और हर साल २५ लाख रुपये तक मुनाफा कमाती हैं। संतोष

देवी खेदड़ और उनके पति राम करण खेदड़ की मेहनत और लगन के कारण बंजर समझी जाने वाली खेत की मिट्टी आज लोगों का पेट पाल रही है। **आज संतोष देवी को कृषि वैज्ञानिक की उपाधि से भी सम्मानित किया जा चुका है।**

वह बताती हैं कि रसायन के बार-बार इस्तेमाल से खेत की मिट्टी खराब हो चुकी थी। खेत में ना तो ट्यूबवेल था और ना ही कोई कुँआ। २००५ में राम करण को होम गार्ड की नौकरी मिली, पगार के रूप में ३००० रुपये मिलते थे। लेकिन जब २००८ में परिवार में बंटवारा हुआ तो खर्च का बोझ बढ़ गया। संतोष और राम करण के हिस्से में १.२५ एकड़ जमीन रह गई।

राम करण जहाँ होम गार्ड की नौकरी करते थे, वहीं किसी ने उन्हें अनार की खेती का सुझाव दिया। पैसों की कमी के कारण संतोष ने खुद जैविक खाद बनाए। **इकलौती भैंस को बेचकर खेत में ट्यूबवेल लगवाया और बाकी पैसों से २२० अनार के पौधे खरीदकर बो दिए।** ड्रिप टेक्नोलॉजी से अनार के पौधों की सिंचाई शुरू की। तब गांव में बिजली नहीं थी, इसलिए जनरेटर का ही सहारा था।

संतोष देवी बताती हैं कि उनके मायके में जैविक खेती होती थी। उन्होंने वहाँ जो भी सीखा था, सभी का इस्तेमाल करने लगीं। राम करण भी ड्यूटी खत्म करने के बाद खेत में हाथ बंटाते थे। ३ साल की मेहनत के बाद २०११ में संतोष देवी को ३ लाख रुपये का मुनाफा हुआ।

साल २०१६ में संतोष देवी को खेती में नवीन तकनीक अपनाने के लिए 'कृषि मंत्र पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। इस सम्मान के साथ उन्हें एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि भी मिली। संतोष अपने क्षेत्र में दूसरे लोगों को भी खेती के लिए प्रेरित करती है और हर संभव मदद करती हैं। हर दिन १५-२० किसान उनसे खेती सीखने आते है। उन्होंने फार्म पर आने वाले लोगों के लिए रेस्ट हाउस भी बनाया है। इस साल उन्होंने करीब १५००० पौधे बेचे हैं, जिससे उन्हें लगभग १५ लाख की अतिरिक्त आय हुई है।

ISO 9001 Certified

ORR TECHNOLOGY

SKIPPER
PIPES

"FIXED FOR LIFE"

COMPLETE RANGE OF PIPES & FITTINGS

CPVC | UPVC | SWR | UGD | HDPE | BOREWELL | AGRICULTURE

www.skipperlimited.com | Toll Free : 1800 120 6842

Gain traction
towards the future
PUNCTURE GUARD
MAXI GRIP
For further details regarding Puncture Guard
and Maxi Grip contact our neartest branch
HARTEX XTRA POWER
Product featured: HARTEX XTRA Power.
A journey that started fifty four years ago is today a legacy called HARTEX.
Setting standards in the domestic market, HARTEX has established itself
internationally for its superior quality and reliability. In fact, the many
milestones HARTEX has achieved, including products, are customer focused.
So, come join the journey of success.
HARTEX
Hartex Rubber Private Limited, 8-2-472, Road No. 1, Banjara Hills,
GVC Square, 4th floor, Hyderabad 500034, India. Ph +91 40 32900866, 32930866
www.hartex.in
SUREKA

मारवाड़ी समाज में महिला-मुक्ति संग्राम

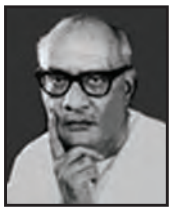

– स्व. भंवरमल सिंघी
राष्ट्रीय अध्यक्ष (१९७४-७९),
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

नारी-जाति का इतिहास आज तक सारी दुनिया में ही परतंत्रता और पीड़ा का इतिहास रहा है। आदिकाल से ही पुरुष ने सब जगह, सब मामलों में अपना प्रभुत्व कायम कर रखा है, और नारी का स्थान बराबर गौण माना और रखा गया है। हमारे देश में तो शास्त्रीय वाक्य रहा है कि नारी स्वतंत्रता की अधिकारिणी है ही नहीं। जीवन के हर स्तर पर और हर क्षेत्र में उसे पुरुष के अधीन और उसके संरक्षण में रहना अनिवार्य है। बाल्यावस्था में पिता के संरक्षण में, युवावस्था में पति के अधीन और वृद्धावस्था में पुत्र की मुखापेक्षी रहने का शाश्वत अनुशासन उस पर लाद रखा गया है, जिसके नीचे वह आज भी दबी हुई है।

इस प्रतिबंधनात्मक स्थिति ने नारी के जीवन को निरंतर गर्हित बनाये रखा। जैसे-जैसे आधुनिक शिक्षा का विकास और प्रसार हुआ, विचारों में परिवर्तन आया, वैसे-वैसे नारी अपनी इस स्थिति के प्रति जागरूक और चेतनाशील बनी और उसने पुरुष–पराधीनता के विरुद्ध आवाज उठाना शुरू किया। जन्म से लेकर मृत्युपर्यन्त जिस गुलामी को उसे सहन करना पड़ा, उसके खिलाफ विरोध और विद्रोह की भावना जगी और महिला-मुक्ति का आन्दोलन सर्वत्र व्यापक और गतिशील बन गया। इसमें भी पहल पुरुषों ने ही की। विचारशील पुरुषों ने इस स्थिति की मार्मिकता को अनुभव किया और नारी के प्रति इसे सरासर अन्याय और अनुचित माना। इस प्रकार से नारी स्वाधीनता का आन्दोलन भी पुरुष की ही देन है। किन्तु धीरे-धीरे महिलाएँ खुद भी इस दिशा में अग्रसर हुईं और उन्होंने अपनी स्वाधीन एवं सम्मानपूर्ण स्थिति बनाने के लिए काफी संघर्ष किया। ऐसा करते हुए उन्होंने सामाजिक और धार्मिक नियमों, परम्पराओं और व्यवस्थाओं के नाम पर काफी विरोध का सामना तो किया ही परन्तु आश्चर्य हुआ कि स्वयं महिलाओं ने भी विरोधियों का समर्थन किया। जैसे गुलामी की प्रथा के विरुद्ध किये गये आन्दोलन का स्वयं गुलामों ने विरोध किया था, इसी प्रकार नारी-मुक्ति के आंदोलन का भी स्वयं नारियों ने भी विरोध किया। बहुत से मामलों में आज भी यही स्थिति है।

मारवाड़ी महिलाओं के मामले में तो दोहरी परतंत्रता के बेड़ियाँ रहीं क्योंकि एक तो सारे देश की स्थिति वैसी थी ही और दूसरे अपने प्रांत (राजस्थान) को छोड़कर वे जब बाहर आईं तो उनके पिता, पति और पुत्र सब व्यवसाय की एकाग्रता में आबद्ध रहे और किसी प्रकार का सांस्कृतिक जीवन रह ही नहीं गया। उनकी मातायें, बहिनें और पत्नियाँ पर्दे में घुटती रहीं, शिक्षा के नितांत अभाव के कारण अज्ञानांधकार में पड़ी रहीं और दुनिया में कहाँ क्या हो गया है या हो रहा है, इसके ज्ञान और प्रभाव से वे बिल्कुल वंचित रहीं। इस अवस्था में मारवाड़ी समाज में मातृ-मुक्ति का आन्दोलन होना स्वाभाविक था। आज से लगभग पचास वर्ष पहले पर्दा-प्रथा के विरुद्ध ही आंदोलन शुरू हुआ। मारवाड़ी समाज की विभिन्न जातियों के महासम्मेलनों, महासभाओं आदि ने पर्दा-प्रथा के विरुद्ध आंदोलन शुरू किया और बाद में सारी जातियों के कार्यकर्ताओं ने मिल कर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन तथा उसके प्रांतीय सम्मेलनों के माध्यम से इस आंदोलन को अग्रसर किया। विचार-प्रचार और आंदोलनों से जब काम नहीं चला तो इस प्रथा के विरुद्ध सत्याग्रह भी किया गया और भरी सभाओं में कार्यकर्ताओं द्वारा पर्दा-हरण भी हुआ। मैंने स्वयं स्वर्गीय बसंतलाल जी मुरारका के साथ आगे बढ़ कर एक सभा में पर्दा करनेवाली दो-तीन महिलाओं की ओढ़नियाँ खींच ली थीं। उपस्थित लोगों में से अधिकांश ने हमें गुण्डे भी बताया। पर पर्दा का पट खुल जाने पर उन महिलाओं के चेहरों पर हमें मुक्ति की जो खुशी दिखलाई दी, वह अपूर्व थी। इस मुक्ति में सामाजिक क्रांति का नया जयघोष निनादित हो उठा। इसी का परिणाम है कि आज अधिकांश मारवाड़ी नारियाँ पर्दे की श्रृंखलाओं से निकल कर बाहर आ चुकी हैं और शिक्षा-प्रशिक्षा के क्षेत्र में तो उनकी संख्या काफी हो ही चली है।

इस प्रकार से देश के सर्वतोमुखी नारी जागरण में भाग लेते हुए मारवाड़ी महिलाओं ने नये कीर्तिमान स्थापित किये और आज वे पुरुषों की गुलाम नहीं, उनकी संगिनी एवं सहयोगिनी हैं। परन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि यह मुक्ति-यात्रा अपने पूर्ण ध्येय तक पहुँच गई है। जितना उसने आज तक किया है, उससे कहीं ज्यादा अभी और करना है। यह तो सारे इतिहास को बदलने की बात है। मारवाड़ी महिला आज भी सामाजिक और आर्थिक बंधनों में जकड़ी हुई है। विवाह जिस तरह से एक बंधन और भार बना हुआ है, उसको लेकर आज भी उसके जीवन की भूमिका गौण और परामुखता की है। दहेज की राक्षसी प्रथा बारबार नारी की पराधीनता को प्रगट करती है। नारी के विवाह के लिये पिता को, या भाई को दहेज की जिस अनिवार्यता को स्वीकार करना पड़ता है वह सरासर नारी का अपमान है। उसकी शिक्षा एवं प्रगति का मखौल है। वर्तमान अन्तर्राष्ट्रीय महिला

वर्ष के सन्दर्भ में मारवाड़ी नारी की सबसे पहली लड़ाई दहेज के विरुद्ध है, हो रही है और होनी चाहिये। हमारे प्रधानमन्त्री पं. जवाहरलाल नेहरु ने स्वयं नारी को मुक्ति दिलाने के लिये हिन्दू कोड में मूलगामी परिवर्तन और संशोधन करवाये जिनके द्वारा नारी के अनेक पीड़क प्रतिबन्धों को हटाया गया। उससे नारी की सामाजिक स्थिति बहुत बदली और परिष्कृत हुई। स्वाधीन भारत के संविधान ने उसे हर क्षेत्र में हर मामले में पुरुष के साथ बराबरी का स्थान तो दिया तथा अधिक और कर्तव्य भी बताये परन्तु ये सारे परिवर्तन और सुधार अभी तक भी जीवन में अवतरित नहीं हुए हैं। मारवाड़ी नारी के जीवन में इन सुधारों का प्रभाव एवं प्रतिफल अभी तक पूरा-पूरा नहीं आया है और विवाह के क्षेत्र में दहेज और दूसरी प्रथाओं के विरुद्ध नारी का आन्दोलन चल रहा है। मुझे कई बार यह देखकर बड़ा दुःख हुआ है और होता है कि इस आन्दोलन की अद्यावधि असफलता के लिये अधिकांशतः स्वयं नारियां उत्तरदायी हैं। दहेज की प्रथा काफी दूर तक नारियों की इस भावना और मान्यता के कारण है कि विवाह के रस्म-रिवाज, जिनमें दहेज शामिल है, उसी तरह से होते चलते रहने चाहिये, जैसे पहले होते थे। नारियाँ ही आगे आकर नारी-मुक्ति के विवाह सुधार सम्बन्धी कार्यकर्ता का विरोध करती हैं और अक्सर पिता और पुत्रों को यह कहते सुना जाता है कि वे जो कुछ करना चाहते हैं उसमें पत्नियाँ, माताएँ और बहिनें अवरोध पैदा करती हैं। कहने का अभिप्राय यह है कि नारियाँ ही नारीमुक्ति के मामले में आज दुर्भाग्यपूर्ण शत्रुता कर रही हैं। हमें इसके खिलाफ भी लड़ाई करनी है, नये विचारों और भावनाओं वाली नारियों का पुराने ढर्रे की अज्ञानग्रस्त नारियों की जड़ता के विरुद्ध संघर्ष कायम रखना है और जीवन को शुद्ध, सुसंस्कृत और मुक्त बनाना है। इससे यह न समझा जाये कि यह स्थिति केवल मारवाड़ी महिलाओं में ही है। सारा ही महिला समाज इस रोग से ग्रस्त है और अगर हम पहले से ज्यादा नारी-मुक्ति के आन्दोलन को संगठित और गतिशील बना कर इसमें सफलता प्राप्त कर सकें, तब ही अन्तर्राष्ट्रीय महिला वर्ष की कल्पना और योजना को सच्चे अर्थों में सफल बना सकेंगे।

('समाज विकास' के दिसम्बर १९८६ अंक से)

लघुकथा

पांच सेर मूंग

– देवकिशन राजपुरोहित

राधा मा मर्या पछै पांच बरसां सूं पीरै आई। वेळा ई नीं मिलै। फेर भाई-भोजाई ई तो कद बुलावै। अबकाळै तो टाबरां रै सीयाळै री छुट्यां ही अर मन में पीरै री चेतै आयगी। धणी किसन बोल्यो, बेगी बावड़ी।

राधा बोली, 'हां'।

पण पीरै में भाई नैं अर भाभी नैं तो उणरै आवण सूं कीं कोड कोनी हो। हंस'र नकली दांत दिखाया। राधा ई जाणगी कै आपां नैं नीं आवणो चाईजतो, पण अबैं के हुवै। कीं नीं दो-चार दिनां सूं पाछी बावड़ जासूं। गांव में फिरी। काक्यां-तायां अर साथण्यां सूं मिली अर भाई नैं कह्यो कै काल पाछी जासूं। भाई हामळ भरी। भोजाई ई राजी हुई। मन बायरा पावणा नैं ठोड कठै।

घरै मूंगां रो ढिगलो पड्यो हो। राधा अेक कटियै में पांच सेर मूंग भर लिया। घर रा मूंग है, मूंगां री दाळ बणास्यां। बा सोच्यो अर भाई नैं बोली, 'म्हनै टेसण पूगाय दै।'

भाई त्यार हुयो। मूंगां रो कटियो देख्यो तो भोजाई बोली, 'इणमें के भर्यो है।'

राधा बोली, 'मूंग है, दाळ बणास्यां।'

भोजाई कटियो खोस'र बोली, 'बटै स्हैर में मोलाय लीजो बाईसा, घणी दौरी खेती करीजै। अबैं पधारो।'

राधा रो मूंढो उतरग्यो। बा रोवूं-रोवूं हुगी। भाई-अठी-उठी हुयग्यो। राधा तो आपरो थैलियो लेय'र पाळी ई टेसण कानी टुरगी। आंख्यां में सावण-भादवो बैवण लागग्यो। तीन कोस रोंवती-रोंवती आई अर रेल पकड़ली।

घरै आई तो टाबरिया हंसता-रमता राधा रै लूमग्या, 'मा, मा, मामो म्हारै सारू के मेल्यो।' राधा अबै तो भूं-भूं रोवण लागगी।

किसन समझग्यो, कीं मामलो बिगड़ग्यो लखावै। बो उणनैं बोली राखी।

बा सगळी बात मांड'र बताई अर बोली, 'म्हारै सूं पांच सेर मूंग पाछा नखाया, इणरो रोवणो है।'

छेकड़ किसन बोल्यो, 'थूं के चावै।'

राधा बोली, 'भाभी रो नखरो भांगणी चावूं।'

किसन बोल्यो, 'नखरो तो भांगतां कीं जेज नीं लागै पण बदनांव हू जासी।'

राधा बोली, 'भलाई हुवो।' किसन अेक वकील सूं बात करी। वकील अदालत में बंटवाड़ा री अर्जी लगाई। अदालत रो सम्मन गियो।

सम्मन गांव में आयो तो उणरो भाई गांव भेळो कर्यो। गांव रा मौजिज मिनख भेळा हुआ अर विचार कर्यो कै बेटी नैं तो बंट देवण रो रिवाज ई कोनी। इयां आ बंट ले लीनो, तो गांव री सगळी बेट्यां सारू औ रस्तो खुल ज्यासी। सरपंच पटवारी अर ग्रामसेवक नैं बुलाया।

सरपंच बोल्यो, 'बेटी नैं कानून मुजब बंट तो देवणो पड़ै।' पटवारी बोल्यो कै राधा रो नांव तो खाता में घल्योड़ी है। पंच सगळा बोल्या, 'जर्णा अबैं कोई उपाव?'

पटवारी बोल्यो, 'कानूनी उपाव तो कोनी पण वकील कोई गली काढ सकै है।'

भाई-भोजाई पैली तो लड्या। पांच सेर मूंगां में खेलो बिगाड़ दियो। पिस्तावो ई कर्यो, पण अबैं डोर हाथ सूं छूटगी ही।

छेकड़ वकील नैं पांच हजार रिपिया दीना। मामलो चाल्यो। केई पेस्यां पड़ी। छेकड़ राधा जीतगी। अदालत पचास बीघा जमी राधा रै नांव कर दी।

बरसाळो आयो।

राधा मूंगां री ई खेती करी। मूंग घणाई हुया। राधा पांच सेर मूंग कटिया में घाल्या'र भोजाई नैं बुलाय'र बोली, 'म्हनै तो फगत इत्ताई चाईजै। बाकी लेज्या थारै घरै। म्हनै जमीं-जागां नीं चाईजै, म्हनै पीरै में इज्जत आबरू चाईजै। औ खेत बावो अर खावो। जीकै दिन थांरी नीत में आंतरो आवैला तो खेत म्हारो। अबैं जावती बेळा अेक बात भळै। सालीना पांच सेर मूंग पूगता करता रीजो।'

भाई अर भोजाई राधा रा पग झाल'र माफी मांगी। भोजाई अर भाई रोवण लाग्या अर राधा राजी-राजी आपरै सासरै गई परी।

('जागती जोत' से साभार)

पश्चिम बंग के महामहिम राज्यपाल श्री केशरी नाथ त्रिपाठी की रचना का राजस्थानी अनुवाद

(प्रस्तुत अंश श्री त्रिपाठी की पुस्तक 'जख्मों पर शबाब' का है। अनुवाद डॉ. जेबा रशीद ने किया है, जिन्हें सम्मेलन द्वारा 'केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान - २०१३' से नवाजा जा चुका है।)

मूल :
झील सी आँखों में तनहाई कहाँ से आई है
वफा के बोल में जुदाई कहाँ से आई है
रस्म बेवफाई की कैसी है, मालूम नहीं
कौन सी वह बात है जो याद नहीं आई है।

राजस्थानी :
झील जैड़ी आंखां में तन्हाई कठै सूं आई है
वफा रा बोल में जुदाई कठै सूं आई है
रस्म बेवफाई री कैड़ी है, पतौ नीं है
कुण सी बात है जिकी याद नीं आई है।

मूल :
चन्द रवायतों में ज़िन्दगी को काट देना क्या
कुछ रिवाज़ों में ज़िन्दगी को बाँट देना क्या
चलें जहाँ कुछ बगावत की बात होती हो
कब्रगाहों में ज़िन्दगी को पाट देना क्या।

राजस्थानी :
चन्द रिवायतां में जूण काट देवणौ कांई
कीं रिवाजां मे जिन्दगी नै बांट देवणौ कांई
चालो जठै कीं बगावत री बात हुवती हो
कबरगाह में जिन्दगी नै पाट देवणौ कांई।

मूल :
प्याज़ की हर परत को उतार कर देखो
किसी का प्यार है कितने निखार पर देखो
हर परत में तमन्ना है, आरज़ू है छुपी
उसकी गहराइयों पर जाँ निसार कर देखो।

राजस्थानी :
प्याज ही हर परत नै उतार' र देखौ
किण रौ प्यार है कित्तौ निखार माथै देखौ
हर परत में तमन्ना है, आरजू है छिपयोड़ी
उण री गैराईयां माथै जान निसार'र देखौ।

मूल :
उन्हें बेवजह बात करना नहीं आता
किसी को मुँह लगाना भी नहीं आता
दूसरों पर उनके जुल्म की इन्तिहा भी हो
उनको चेहरे पे शिकन लाना भी नहीं आता।

राजस्थानी :
उण नै बेवजह बात करणी नीं आवै
किण नैं ई मुडै लगावणौ ई नीं आवै
दूजा माथै उण रै जुल्म री इन्तिहा भी हो
उणांनै चेहरा माथै सळ लावणौ ई नीं आवै।

मूल :
कुछ लोग हैं जो अपने में जिए जाते हैं
ग़म वो औरों को बेहद ही दिए जाते हैं
क्या करें वो जो इन्तज़ार में अभी भी खड़े
चाँद पाने की हसरत में जिए जाते हैं।

राजस्थानी :
कीं लोग है जिका खुद में जिया जावै है
गम वै औरां नैं बेहद दिया जावै है
कांई करै के जिकौ इन्तजार में अजै ई खड़ौ
चांद पावण ही हसरत में जिया जावै है।

मूल :
तेरे इन्तज़ार में कल भी रात हो गई
अरसे से अब रोज़ की ये बात हो गई
न ख़ैरियत पूछी, न अपना हाल बताया
फ़िक्र हो गई कि क्या कोई बात हो गई।

राजस्थानी :
थारै इन्तजार में काले ई रात होयगी
अरसां सूं अबै रोज री आ बात होयगी
नीं खैरियत पूछी, नीं अपणौ हाल बतायौ
फिकर होयगी कै कांई कोई बात होयगी।

देव-स्तुति

डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

(सम्मेलन की समाज-सुधार उपसमिति के चेयरमैन डॉ. जुगल किशोर सर्राफ ने श्रीमद्भागवत के दशम् स्कन्ध को 'देव-स्तुति' के शीर्षक से पुस्तक के रूप में प्रकाशित करवाया है। पुस्तक के अंश धारावाहिक रूप से प्रकाशित किए जा रहे हैं।)

कुन्त्युवाच

कृष्णाय वासुदेवाय देवकीनन्दनाय च।
नन्दगोपकुमाराय गोविन्दाय नमो नमः।।

अतः मैं भगवान् कृष्ण, वसुदेव के पुत्र, देवकी के अतिप्रिय, नन्द तथा ग्वालों के लाल एवं गौवों तथा इन्द्रियों के प्राण बनकर आये हैं, उन को सादर नमस्कार करती हूँ।

नमः पङ्कजनाभाय नमः पङ्कजमालिने।
नमः पङ्कजनेत्राय नमस्ते पङ्कजाङ्घ्रये।।

नमस्कार है, जिनके उदर के मध्य में कमलपुष्प के समान गड्ढा हैं, जो सर्वदा कमलपुष्प की माला से धारण करते हैं, जिनकी नयन कमलपुष्प के समान हैं और चरण के तलवों में कमल अंकित हैं, उन भगवान् की सादर नमस्कार करती हूँ।

नमोऽकिञ्चनवित्ताय निवृत्तगुणवृत्तये।
आत्मारामाय शान्ताय कैवल्यपतये नमः।।

मैं नमस्कार करती हूँ, निर्धनों के धन-स्वरूप को, जो प्रकृति के भौतिक गुणों की क्रियाओं-प्रतिक्रियाओं से सदा परे हैं। उन भगवान् को सादर नमस्कार करती हूँ, जो आत्म-तुष्ट, परम शान्त तथा अद्वैतवादियों के स्वामी कैवल्य-पति हैं।

मन्ये त्वां कालमीशानमनादिनिधनं विभुम्।
समं चरन्तं सर्वत्र भूतानां यन्मिथः कलिः।।

हे प्रभु, मैं आपको शाश्वत समय, परमेश्वर, आदि-अन्त रहित तथा सर्वव्यापी मानती हूँ। आप सबों पर समान रूप से दया वितरित करते हैं। जीवों में सामाजिक मतभेद के कारण पारस्परिक कलह है।

त्वयि मेऽनन्यविषया मतिर्मधुपतेऽसकृत्।
रतिमुद्वहतादद्धा गङ्गेवौधमुदन्वति।।

हे मधुपति, मेरा ध्यान अन्यत्र न भटके और निरन्तर आपकी ओर बना रहे। जिस प्रकार गंगा नदी बिना किसी व्यवधान और आकर्षण के साथ समुद्र को बहती है।

श्री कृष्ण कुष्णसख वृष्ण्यृषभावनिध्रुग्
राजन्यवंशदहनानपवर्गवीर्य।
गोविन्द गोद्विजसुरार्तिहरावतार
योगेश्वराखिलगुरो भगवन्नमस्ते।।

हे कृष्ण, हे अर्जुन के मित्र, हे वृष्णिकुल के प्रमुख, आप इस धरा पर उपद्रव फैलानेवाले समस्त राजाओं के वंश के विध्वंसक हैं। आपका शौर्य कभी क्षीण नहीं होता। आप दिव्य धाम के स्वामी हैं और आप इस धरा पर गायों, ब्राह्मणों तथा भक्तों के कष्टों को दूर करने के लिए अवतरित होते हैं। आप में सारी योग-शक्तियाँ हैं। आप समस्त विश्व के गुरु और सर्वशक्तिमान ईश्वर हैं। हे भगवान्, आप को सादर नस्कार करती हूँ।

लोकगीत

बाई सा रा बीरा

बाई सा रा बीरा म्हाने पीवरिये ले हालो सा
बाई सारा बीरा म्हाने पीवरिये पोंचा दो सा
पीवरिये री म्हाने ओलू आवे

पिया री पियारी गोरी सासरिये सूं राखो ए
पीवरिये री कियां ओळू आवे
ओ गोरी पीवरिये री कियां मन में आवे

थां रा तो माँ सा म्हा सूं पाणीड़ो भरवावे सा
थां रा तो माँ सा म्हा सूं पाणीड़ो भरवावे सा
पतळी कमर म्हारी लुळ लुळ जाय
पाणी ने भरणने गोरी पणियारयों लगा दूं ए
पतळी कमर थारी कियां लुळ जाय
थांरा तो बाई सा म्हासूं आडा टेढा बोले सा
पीवरिये री म्हाने ओळू आवे

म्हारा तो बाई सा गोरी बागां री कोयलड़ी ए
दिन दो रैसी वा तो उड़ जा सी
म्हारे तो बाबल रे साइबा म्हे ई म्हे कोयलड़ी सा
पीवरिये री म्हाने ओळू आवे
बाई सा रा बीरा म्हाने पीवरिये ले हालो सा
बाई सा रा बीरा म्हाने पीवरिये पोंचा दो सा
पीवरिये री म्हाने ओळू आवे

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य				
श्री ओम प्रकाश सराफ मे. श्री बालाजी पावर पहाड़ी मंदिर लेन, रांची झारखंड	**श्री आशिष सराफ** मे. प्रिंस मार्केटिंग पहाड़ी मंदिर लेन, रांची झारखंड	**श्री रोहित पोद्दार** मे. क्रिएटिभ टेक्सटाईल कंजीलाल स्ट्रीट, राँची झारखंड	**श्री विजय सराफ** मे. गणपति डिस्ट्रीब्युटर्स पहाड़ी मंदिर लेन, राँची झारखंड	**श्री महाबीर प्रसाद अग्रवाल** ३७, धत्कीडीह मार्केट सोनार लाईन, जमशेदपुर झारखंड
श्रीमती पारूल अग्रवाल एच. नं.-१२९, एल नं.-०४ कशीडीह, पो.– साकची जमशेदपुर, झारखंड	**श्रीमती रीना गोयल** एल.नं.-१०,हाउस नं.-२७५ कशीडीह, जमशेदपुर, झारखंड	**श्रीमती बबीता रिंगसरीया** आई डी काशीडीह ९ नं, बगान एरिया, साकची, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री कमलेश कुमार अग्रवाल** चम्पिया कालोनी, सिधगोड़ा, मेन रोड जमशेदपुर, झारखंड	**श्री गोविन्द नागेलिया** मे. राधिका बुलियन एण्ड जेव प्रा. लि. प्रथम तल, अन्नपूर्णा मार्केट जमशेदपुर, झारखंड
श्री सत्यनारायण नरेडी मे. श्री रानीसति स्टील्स ग्राम समिति वर्क्स जमशेदपुर, झारखंड	**श्री महेश अग्रवाल** ६२, आर. डी. भट्टा बिष्टूपूर, जमशेदपुर झारखंड	**श्री गोविन्द अग्रवाल** मे. गर्ग इंजिनियार्स लिमिटेड गम्हरिया, झारखंड	**श्री रमेश सोंथलिया** ४, डायगनल रोड बिष्टुपूर, जमशेदपुर झारखंड	**श्री रतन नरेदी** मे. गंगा स्टोर, नरेदी भवन, डायगनल रोड बिष्टुपुर, झारखंड
श्री बिनोद बिहारी अग्रवाल मे. श्री सालासार मार्केटिंग हरिकुंज अपार्टमेंट, धनबाद, झारखंड	**श्री चेतन कुमार तुलस्यान** ३१२, श्रीराम प्लाजा बैंक मोड़, धनबाद झारखंड	**श्री सतीश कुमार अग्रवाल** द्वारा-श्री गणेश भण्डार मेन रोड, झरिया, झारखंड	**श्री जगदीप अग्रवाल** मु. पो. – बलियापुर, धनबाद, झारखंड	**श्री नरेश जालुका** शास्त्री नगर वेस्ट धनबाद रोड, झारखंड
श्री चन्द्र प्रकाश चोखानी मे. हम्पटी डम्पटी रेस्टो ४ नं टैक्सी स्टैंड, झरीया धनबाद, झारखंड	**श्री डी. एन. डोकानियाँ (सीए)** १०३ए, शांती भवन प्रथम तल, बैंक मोड़ धनबाद, झारखंड	**श्री सतीश कुमार अग्रवाल** द्वारा–श्री सालासार स्टील ट्रेडर्स सी.डी. सिंह कालोनी, दइया, धनबाद, झारखंड	**श्री मातादीन अग्रवाल** इंडस्ट्री हाउस, शांती भवन बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड	**श्री अरूण टेकरीवाल** ७०७, गार्डन सिटी अपार्टमेंट एल. सी. रोड, धनबाद, झारखंड
श्री अंकुर चौधरी ललीता काम्पलेक्स शाप नं.-२, दइया, धनबाद झारखंड	**श्री राज कुमार बंसल** एच.आई.जी., फ्लाट नं.-२७ हाउसिंग कालोनी, बारटंड, झारखंड	**श्री किशन कुमार बंसल** एच.आई.जी. फ्लाट नं.-२७ हाउसिंग कालोनी, बारटंड झारखंड	**श्री राधेश्याम अग्रवाल** एच.आई.जी. फ्लाट नं.-२७ हाउसिंग कालोनी, बारटंड झारखंड	**श्री अजय कुमार तुलस्यान** मे. तुलस्यान मेडिकल्स शाप नं.-२१२, सिटी सेन्टर धनबाद, झारखंड
श्री राधेश्याम अग्रवाल द्वितीय तल, जिला परिषद मार्केट, हीरापुर, धनबाद झारखंड	**श्री विशाल कुमार जैन** एल.आई.जी. २९६, हाउसिंग कालोनी बारटंड, झारखंड	**श्री पवन कुमार केजरीवाल** गंगाधर बृजमोहन, कपड़ा पट्टी, झरीया, झारखंड	**श्री रमेश कठूरिया** मो/पो- दाल पट्टी, झरीया धनबाद, झारखंड	**श्री रतन अग्रवाल** मे. त्रिमूर्ती इंडस्ट्रीज कुसुण्डा, धनबाद, झारखंड
श्री अनिल शर्मा काली मंदिर रोड, शंकर कालोनी, धनबाद, झारखंड	**श्री संजय काठूरिया** मे. आनंदी ग्लोबल मार्केट उर्मिला टावर, बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड	**श्री राजीव गोयल** ११८, उर्मिला टावर, बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड	**श्री नारायण कठूरिया** मे. बिष्णु ट्रेडर्स, कृषि बाजार समिति, बरवाड़ा, झारखंड	**श्री राम अवतार मोदी** गैलेक्सी अपार्टमेंट, छठवाँ तल, सीबीड़ी शास्त्री नगर धनबाद, झारखंड
श्री अनिल कुमार खेमका शाप नं.-एस.२१०, एल सी रोड, सिटी सेन्टर, धनबाद, झारखंड	**श्री प्रदीप बंसल** ओम एजेन्सी, ए.पी.एम.सी. ५३/४, बारबाड, धनबाद झारखंड	**श्री सुरेश कुमार बंसल** मे. मंसा ट्रेडिंग कं. मेन रोड, फुसरो बाजार फुसरो, बोकारो, झारखंड	**श्री प्रदीप अग्रवाल** फुसरो बाजार, पो - थोरी बोकारो, झारखंड	**श्री अजय कुमार गोयल** मे. गोयल इंटरप्राईजेज फुसरो बाजार, बोकारो झारखंड
श्री कमल कुमार अग्रवाल कोठारी मार्केट, फुसरो बजार बोकारो, झारखंड	**श्री नेमीचंद गोयल** मे. श्याम ट्रेडर्स शास्त्री नगर, फुसरो बाजार बोकारो, झारखंड	**श्री अशोक कुमार राठी** स्टंशन रोड, फुसरो बाजार बोकारो, झारखंड	**श्री चिरंजी लाल अग्रवाल** मे. श्याम फ्लोर मिल मेन रोड, फुसरो बाजार बोकारो, झारखंड	**श्री कृष्णा कुमार अग्रवाल** मे. राईका क्लाथ हाउस मेन रोड, फुसरो, बोकारो झारखंड
श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल न्यु रोड, फुसरो बाजार बोकारो, झारखंड	**श्री मुकेश कुमार खेमका** मे. सलोनी भण्डार मेन रोड, फुसरो, बोकारो झारखंड	**श्री शंकर लाल अग्रवाल** मे. पवन स्टोर, मेन रोड फुसरो बाजार, बोकारो झारखंड	**श्री रमन कुमार गर्ग** बस स्टैंड के नजदीक स्टेशन रोड, फुसरो बाजार झारखंड	**श्री राहुल कुमार अग्रवाल** मे. गर्ग डिस्ट्रीब्युटर कोठारी मार्केट, बोकारो झारखंड
श्री श्रवण कुमार कानोड़िया सिटी पैलेस फ्लेट नं.-१२४/१२५ आदित्यपूर, झारखंड	**श्री राजेश जालान** एफ-३/४, निशांत विहार कालोनी, आदित्यपुर, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री पुरुषोत्तम कुमार मोदी** द्वारा - लक्ष्मी क्लाथ स्टोर, मोदी पथ, डिंडल बस्ती, सरायकिला खरसांवा, झारखंड	**श्री राजेन्द्र कुमार मोदी** टाटा कन्द्रा, मेन रोड सरायकिला, खरसांवा, झारखंड	**श्री गौरी शंकर अग्रवाल** द्वारा - बिल्डिंग सेन्टर टाटा कन्द्रा, मेन रोड, आदित्यपुर, झारखंड
श्री संटु लाल खण्डेलवाल मे. संत स्टील ईमली चौक, मेन रोड आदित्यपुर, झारखंड	**श्री पंकज कुमार अग्रवाल** मे. प्लाई हाउस, टाटा कन्द्रा मेन रोड, आदित्यपुर, झारखंड	**श्री रवि कुमार सरावगी** सिटी प्लेस, ब्लाक-जी आदित्यपुर, झारखंड	**श्री नवीन अग्रवाल** लव कुश इंक्लेव १/१, बेलुर रोड, लिलुआ हवड़ा, प. बं.	**श्री निरंजन कनोई** मे. स्वास्तिक वूड प्रोडक्टस १५, कैनल ईस्ट रोड कोलकाता

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री प्रदीप कुमार सराफ अस्तित्वा फ्लैट नं.-१०७२ १, मोती लाल बसाक लेन कोलकाता	**श्री राम गोविन्द अग्रवाल** मे. प्रकाश ट्रेडिंग सालबगान रोड, बेनाचट्टी दुर्गापुर, प. बं.	**श्री श्रवण कुमार चौधरी** मे. एस. के. एजेन्सी मस्जिद मोहल्ला रोड बेनाचट्टी, दुर्गापुर, प. बं.	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** मे. पाईनियर सप्लायर्स विवेकानंद पल्ली, दुर्गापुर प. बं.	**श्री संतोष कुमार माहेश्वरी** मे. शिवम इंटरप्राइज नजरूल सरणी, गुरुद्वारा रोड, दुर्गापुर, प. बं.
श्री संजय अग्रवाल मे. बम्बई डाईंग शोरूम बेनाचट्टी, दुर्गापुर, प. बं.	**श्री अनिल कुमार अग्रवाल** मे. रोशन इंटरप्राईजेज़ हाउस नृं६/११, मिटिंगी दुर्गापुर, झारखंड	**श्री अरूण कुमार अग्रवाल** मे. दीपक विमल शोरूम बेनाचट्टी, दुर्गापुर, प. बं.	**श्री राजीव कुमार अग्रवाल** मे. विजय ट्रेडर्स बेनाचट्टी, दुर्गापुर, झारखंड	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** मे. विश्वनाथ भण्डार घोष मार्केट, बेनाचट्टी दुर्गापुर, प. बं.
श्री दिनेश कुमार शर्मा मे. श्री बशिष्ट एस्ट्रो बेनाचट्टी, दुर्गापुर, प.बं.	**श्री रामावतार शर्मा** भिरंगी, दुर्गापुर प. बं.	**श्री गजानंद अग्रवाल** ३७, उत्तर पल्ली, बेनाचट्टी दुर्गापुर, प. बं.	**श्री पवन कुमार नाद** भिरंगी, (जी. टी. रोड) दुर्गापुर, प. बं.	**श्री हरि प्रसाद खेतान** मे. श्री हार्डवेयर एण्ड सैनिटरी स्ट्रीट, बेनाचट्टी दुर्गापुर, प. बं.
श्री आलोक कुमार खटोर मनोहरी विल्ला, ५/४, सेन्ट्रल पार्क दुर्गापुर, प. बं.	**श्री सुनिल कुमार कमलिया** मे. इलेक्ट्रोनिक्स सेन्टर बेनाचट्टी, दुर्गापुर, प. बं.	**श्री मणिराम अग्रवाल** मे. गौरी स्टोर, उत्तरपल्ली बेनाचट्टी, दुर्गापुर, प. बं.	**श्री पंकज अग्रवाल** मे. विजय स्टोर्स, कपूर मार्केट, बेनाचट्टी, दुर्गापुर, प. बं.	**श्री गोविन्द प्रसाद शर्मा** मे. खण्डेलवाल आटो जी.टी. रोड, मेन गेट दुर्गापुर, प. बं.
श्री अशोक बंसल मे. सुर्या स्पाईस् प्रोडक्टस कपूर मार्केट, बेनाचट्टी दुर्गापुर, प. बं.	**श्री विजय अग्रवाल** मे. विजय अग्रवाल उत्तर पल्ली, बेनाचट्टी दुर्गापुर, प. बं.	**श्री अजय कुमार अग्रवाल** मे. ओम स्टोर, उत्तर पल्ली बेनाचट्टी, दुर्गापुर, प. बं.	**श्री रमेश कुमार बंसल** मे. अमित स्टोर, बेनाचट्टी दुर्गापुर, प. बं.	**श्री अभिषेक सराफ** मे. पी.एस.पी. एम. एण्ड कं. १८, रविन्द्र सरणी, पोद्दार कोर्ट, कोलकाता
श्री अजीत गुप्ता १/१, बेलुर रोड, बी-१०४ लव-कुश इक्लेव, लिलुआ हवड़ा, प. बं.	**श्री यशवंत कुमार खेतान** मे. अक्षय इंवेस्टमेंट एण्ड मार्केटिंग, ४३, जकरिया स्ट्रीट, चौथा तल, कोलकाता	**श्री विष्णु कुमार बगड़िया** स्पेस टाउन हाउसिंग काम्पलेक्स, ब्लाक-१० फ्लैट नं.-५ (आई), कोलकाता	**श्री सज्जन गोरीसरिया** मे. श्री नारायण मेटल ७५, कॉटन स्ट्रीट कोलकाता	**श्री भगवान दास भट्टर** मे. दाउ लाल भट्टर १०, दिगम्बर जैन टेम्पल रोड, कोलकाता
श्री संजीव कुमार मुरारका श्रीकुंज, ५८डी, ब्लाक-डी न्यु अलीपुर, कोलकाता	**श्री मनोज कुमार चेतानी** मे. सिंघल चेतानी एण्ड कं. १३३/१/१ए, एस.एन. बनर्जी रोड, कोलकाता	**श्री विष्णु कुमार अग्रवाल** ४८/३, जेशोर रोड, द्वितीय तल, बालाजी अपार्टमेंट कोलकाता	**श्री विनय बागला** १, मोती लाल बसाक लेन कांकुरगाछी, कोलकाता	**श्री राजेश अग्रवाल** २बी, बर्दवान रोड अलीपुर, कोलकाता
श्री लीलाधर पोद्दार ८, हो-ची-मिन्ह सरणी हेस्टिंग चैम्वर, वेस्ट विंग कोलकाता	**श्री मनोज कुमार गोयनका** श्राची गार्डेन २५१/१ नगेन्द्र नाथ रोड कोलकाता	**श्री जगदीश प्रसाद गाड़ोदिया** फोर्ट रेसीडेन्सी, ब्लाक-१डी ३८, एस. एन. राय रोड कोलकाता	**श्री घनश्याम शर्मा** मे. सुमित्रा केमिकल्स एण्ड मिनरल्स, १५, गणेश चन्द्र एवेन्यू, कोलकाता	**श्री पवन कुमार खेमका** ८०, डॉ. देवदार रहमान रोड लेक गार्डेन, कोलकाता
श्री प्रदीप चौधरी ७६, बड़तल्ला स्ट्रीट कोलकाता	**श्री पंकज कुमार जैन** आकाशदीप बिल्डिंग ५, लोवर राउडन स्ट्रीट कोलकाता	**श्री मुकेश कोचर** २२६/१, ए जे सी बोस रोड ६वाँ तल, कोलकाता	**श्री प्रवीण जैन** २२६/१, ए जे सी बोस रोड ६वाँ तल, कोलकाता	**श्री राजेश कुमार पहाड़िया** द्वारा-ओम कैपिटल मार्केट प्रा. लि. २२६/१, ए जे सी बोस रोड, कोलकाता
श्री अशोक कुमार पोद्दार खेक्सीदास रामजीदास १७८, एम. जी. रोड कोलकाता	**श्री संजय बजाज** एक्टीव एकड़, ब्लाक-६ ५४/१०, देवेन्द्र चन्द्र दे रोड कोलकाता	**श्री सुर्या प्रकाश मित्तल** मे. एस. पी. मित्तल एण्ड कं. ४१, एन. एस. रोड, कोलकाता	**श्री राजेश कुमार कानोड़िया** १३७, वी. आई. पी. रोड, नेचुरल हाईट्स, कोलकाता	**श्री निर्मल कुमार चौधरी** ७६, बड़तल्ला स्ट्रीट कोलकाता
श्री अजय कुमार सराफ मे. संगम क्रियेशन प्रा. लि. ४८, चेतन सेठ स्ट्रीट कोलकाता	**श्री किशन लाल केडिया** केडिया मेनशन ९, सोनार गौरांगो टेम्पल स्ट्रीट, कोलकाता	**श्री मनोज कुमार ढ़ेलिया** १०२१, दक्षिणधारी रोड सुखसागर, ब्लाक-ए दूसरा तल, कोलकाता	**श्री सम्पत कुमार सिंघानियाँ** पी-८५८, ब्लाक - ए लेक टाउन, कोलकाता	**श्री प्रभु दयाल साबू** पी-६, दालिम तल्ला लेन कोलकाता
श्री सजन कुमार केडिया मे. एस. के. इंटरप्राईज ४, हजारीमल शाह रोड हवड़ा, प. बंग	**श्री संतोष कुमार झुनझुनवाला** बी एच-२०७, साल्ट लेक सिटी, कोलकाता	**श्री सज्जन कुमार झुनझुनवाला** ४ए, के. पी. सिंघी रोड कोलकाता	**श्री राम चन्द्र तिवाड़ी** मे. सनटेक्स गारमेंट ब्लाक-१, फ्लैट नं-३०२ एण्ड ३०३, हवड़ा, प. बंग	**श्री श्याम लाल अग्रवाल** द्वारा - माँ संतोषी इण्ड. कार्पोरेशन, १, ओल्ड कोर्ट हाउस कार्नर, कोलकाता
श्री राम अग्रवाल द्वारा - सिंगल ब्रदर एण्ड कं. ७२, कॉटन स्ट्रीट, ग्राउण्ड फ्लोर, कोलकाता	**श्री अमित सांगानेरिया** १४, हो-ची-मिन्ह सरणी मंगलम पार्क, ए३-२०४ कोलकाता	**श्री गिरधारी लाल केशान** ७ए, हास्पिटल स्ट्रीट प्रथम तल, कोलकाता	**श्री अजय कुमार अग्रवाल** हेरिटेज श्रीजन टावर १८८बी, मानिकतल्ला मेन रोड, कोलकाता	**श्री पंकज अग्रवाल** १८८बी, मानिकतल्ला मेन रोड, कांकुरगाछी कोलकाता

Rungta Mines Limited
Chaibasa
RUNGTA STEEL
SOLID STEEL
Superior Technology
Greater Strength
Extreme Flexibility
500D
TMT REBARS
STEEL DIVISION
RUNGTA CHAMBERS
S.M.H.M.V. COMPLEX, CHAIBASA -833201
WEST SINGHBHUM, JHARKHAND, INDIA
Contact :
+91-6582-255261/ 361
+91-7008-012240
tmtmkt@rungtamines.com
csp@rungtamines.com
Approved by IS 1786:2008
Lic.No.-CM/L 5800021706
Approved by IS 2830:2012
Lic.No.-CM/L 5800007712

CENTURYPLY®
CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYPRELAM®
CENTURYMDF®
CENTURYDOORS™
zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
STARKE
NEW AGE PANELS
SAINIK
PLYWOOD
HAMESHA TAIYYAR
For any queries, SMS 'PLY' to 54646 or call us on 1800-2000-440 or give a missed call on 080-1000-5555
E-mail: kolkata@centuryply.com | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | Centuryply1986 | Visit us: www.centuryply.com

Dollar®
Bigboss
PREMIUM INNERWEAR
Fit Hai Boss
Bigboss
HE TOILS
THE FIELDS
SO THAT INDIA
REAPS PLENTY
www.dollarglobal.in | Buy Online: www.dollarshoppe.in | Also available at all leading shopping portals
Dollar products are available in over 800 cities/towns and 100,000 MBOs across India | Govt. Certified STAR EXPORT HOUSE

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2018-2020
Date of Publication - 10th May 2019
RNI Regd. No. 2866/1968

LIFE BEGINS AT 60!

JAGRITI DHAM

KOLKATA'S MOST COMPREHENSIVE HOME FOR SENIOR LIVING

Yoga & meditation

Wellness spa

Indoor games

Outdoor activities

Privilege access to IBIZA Club

24 x 7 Medical care

Mandir

Safety and Security

COMFORTS & CONVENIENCES
- Furnished and fully-serviced AC rooms
- Attached toilet, pantry and balcony
- Housekeeping and maintenance on call
- Wi-fi, Intercom

SENIOR-FRIENDLY
- Wheel chair and walker-enabled spaces and ramps
- Spacious lifts to accommodate stretchers
- Specially designed bathrooms with wheel chair-accessible showers

- Inside Merlin Greens complex
- Adjacent to Ibiza on Diamond Harbour Road
- Near Bharat Sevasram Hospital and Swaminarayan Dham Temple
- 5 kms from Nature Cure and Yoga Research Institute

SECURITY
- 24 hours manned gate with intercom
- Electronic surveillance, CCTV
- Power back-up

HEALTHCARE
- 24x7 ambulance, attendant
- Visiting doctors, specialists-on-call
- Emergency button in every room and frequently occupied areas
- Tie-ups with the city's best nursing homes and hospitals

SAFETY ACTIVITY COMMUNITY SPIRITUALITY

Supported by
infinity

Jagriti Dham, Merlin Greens, IBIZA Club, Diamond Harbour Road, Pin 743 503
contact@jagritidham.com | www.jagritidham.com | 88 200 22022

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com